www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वर्ष: 01 | अंक: 58 | जशपुर, 14 अक्टूबर 2026 (बुधवार) | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 01 रूपये

महावीर हॉस्पिटल पर गिरी गाज

न्यूरो सर्जरी और आयुष्मान में गंभीर लापरवाही पर लाइसेंस एक माह के लिए सस्पेंड

87 हजार की वसूली पर भी शिकंजा, 3 माह तक आयुष्मान से होगा बाहर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। निजी अस्पतालों की मनमानी और मरीजों से अवैध वसूली पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। गंभीर चिकित्सकीय लापरवाही के मामले में शहर के प्रतिष्ठित श्री महावीर हॉस्पिटल का लाइसेंस/पंजीयन एक माह के लिए निलंबित कर दिया गया है। साथ ही आयुष्मान योजना के तहत की गई अनियमितता पर तीन माह तक पंजीयन निलंबन के लिए शासन को पत्र भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

मामला आवेदिका सुश्री मृण्मयी पाण्डेय की शिकायत से जुड़ा है। आवेदिका ने शिकायत की थी कि श्री महावीर हॉस्पिटल द्वारा साक्ष्य छिपाने और नष्ट करने की मंशा से मेडिकल रिपोर्ट (सी.टी. स्कैन, एक्स-रे व रेफरल/डेथ समरी) परिजनों को नहीं दी गई। आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद 6-7 लाख रुपये की अवैध वसूली की गई और सही इलाज न मिलने के कारण मरीज की मृत्यु हो गई। शिकायत प्राप्त होने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अंबिकापुर द्वारा टीम गठित कर विस्तृत जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन का अवलोकन करने पर कई गंभीर खामियां उजागर हुईं।

जांच में खुली हॉस्पिटल की पोल

जांच रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि श्री महावीर हॉस्पिटल द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण से स्पष्ट है कि मरीज के मस्तिष्क की न्यूरो सर्जरी करने वाले चिकित्सक का नाम अस्पताल के पंजीयन दस्तावेजों में अंकित ही नहीं है। न्यूरो सर्जरी एक टर्शरी केयर इलाज है और अस्पताल के पंजीयन दस्तावेजों में भी उक्त सुविधा का उल्लेख नहीं है। यानी बिना अनुमति और बिना योग्य डॉक्टर के ही गंभीर ऑपरेशन किया जा रहा था। हॉस्पिटल के प्रोप्राइटर डॉ. सुधांशु किरण का तर्क था कि शिकायतकर्ता ने गलत इलाज के लिए उन्हें आरोपी बनाया है, जबकि मरीज का इलाज अन्य डॉक्टरों की टीम ने किया है। लेकिन नर्सिंग होम एक्ट में अस्पताल के संचालन की पूर्ण जिम्मेदारी हॉस्पिटल प्रोप्राइटर की होती है। जांच में यह भी पाया गया कि श्री महावीर हॉस्पिटल द्वारा उक्त चिकित्सकीय सेवाएं लेने के पूर्व स्वास्थ्य विभाग को कोई सूचना तक नहीं दी गई थी और मरीज के रेफरल की प्रक्रिया का भी सही पालन नहीं किया गया।

आयुष्मान में दोहरी लूट, फिर भी वसूले रुपये

जांच में आयुष्मान योजना में भी बड़ी गड़बड़ी सामने आई। हॉस्पिटल के दस्तावेजों से स्पष्ट है कि आयुष्मान कार्ड से मरीज के इलाज हेतु संपूर्ण राशि बुक की गई है और इसके बाद भी अवैध रूप से 87,300 रुपये मरीज के परिजनों से ले लिए गए। यह पहला मामला नहीं है। पूर्व में भी मरीज से अधिक राशि लेने की शिकायत पर महावीर हॉस्पिटल को कड़ी चेतावनी जारी की गई थी। इससे स्पष्ट होता है कि हॉस्पिटल में शासन के निर्देशों के उल्लंघन की प्रवृत्ति रही है। जांच प्रतिवेदन में श्री महावीर हॉस्पिटल का उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि न्यूरो सर्जरी जैसे गंभीर इलाजों में आंशिक नहीं बल्कि गंभीर लापरवाही बरती गई है तथा आयुष्मान योजना के पालन में भी घोर लापरवाही की गई है।

कलेक्टर ने की सख्त कार्रवाई

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर नर्सिंग होम एक्ट के प्रावधानों के उल्लंघन पर श्री महावीर हॉस्पिटल का लाइसेंस/पंजीयन दिनांक 17 अक्टूबर 2026 से 16 नवंबर 2026 तक एक माह के लिए निलंबित किया गया है। साथ ही अस्पताल से अवैध रूप से वसूली गई राशि 87,300 रुपये वापस करने के निर्देश दिए गए हैं और आगामी तीन माह के लिए खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना/आयुष्मान योजना के तहत अस्पताल का पंजीयन निलंबित किए जाने हेतु शासन को प्रतिवेदन भेजने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को निर्देशित किया गया है।

यूपीआई ब्लॉक होने का बहाने मंत्री के नाम पर 32 हजार ठगी की कोशिश, फर्जी क्यूआर कोड भेजा

लक्ष्मी राजवाड़े ने फेसबुक पर पोस्ट कर लोगों को किया अलर्ट, साइबर पुलिस ने शुरु की जांच

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। यूपीआई ब्लॉक होने का बहाना बनाकर प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के वाट्सएप अकाउंट से परिचितों को संदेश भेजकर 32 हजार रुपए मांगे जा रहे हैं। संदेश के साथ भुगतान के लिए क्यूआर कोड भी भेजा जा रहा है। मामला सामने आने के बाद मंत्री ने फेसबुक के माध्यम से लोगों को सतर्क किया है। वहीं, साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। मंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी सूचना में स्पष्ट किया है कि उनके वाट्सएप अकाउंट से यदि कोई पैसे मांगता है या संदिग्ध लिंक भेजता है तो उस पर भरोसा न करें। उन्होंने लोगों से पैसे नहीं भेजने और किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने की अपील की है। बताया जा रहा है कि संदेश में छोटी-सी मदद की जरूरत बताकर यूपीआई ब्लॉक होने का हवाला दिया जा रहा है। इसके बाद तत्काल 32 हजार रुपए भेजने को कहा जा रहा है। भुगतान के लिए क्यूआर कोड भी साझा किया जा रहा है। इस तरह परिचित के नाम पर भेजे गए संदेश के जरिए लोगों को झांसे में लेने की कोशिश की जा रही है।

> **साइबर पुलिस ने शुरु की जांच**
>
> घटना के समय मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सूरजपुर में रोड सेफ्टी कार्यक्रम के तहत आयोजित बाइक रैली में शामिल थीं। शिकायत के बाद साइबर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि उनके वाट्सएप अकाउंट तक अनधिकृत पहुंच कैसे बनी और संदेश भेजने के पीछे कौन है।

पैसे भेजने से पहले फोन कर करें पुष्टि

साइबर ठगी से बचने के लिए पुलिस और साइबर विशेषज्ञ लगातार सतर्कता बरतने की सलाह देते हैं। किसी परिचित या रिश्तेदार के नंबर से अचानक पैसे मांगने का संदेश मिले तो भुगतान करने से पहले सीधे फोन कर पुष्टि करें। अनजान क्यूआर कोड स्कैन करने और संदिग्ध लिंक खोलने से बचें।

पहले सरकारी होम्योपैथी कॉलेज को मंजूरी, 2026-27 से दाखिले होंगे शुरू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। हेल्थ सेक्टर में छत्तीसगढ़ के लिए अच्छी खबर है. नवा रायपुर में पहला सरकारी होम्योपैथी कॉलेज खोलने की मंजूरी मिल गई है. इस कॉलेज में बैचलर ऑफ़ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (BHMS) कोर्स के लिए 63 सीटें होंगी. पढ़ाई 2026-27 शैक्षणिक सत्र से शुरू की जाएगी. यह मंजूरी सोमवार को नई दिल्ली स्थित नेशनल कमीशन फॉर होम्योपैथी के तहत मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड ने दी है. यह मंजूरी नवा रायपुर के अटल नगर में हाल ही में बने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथी के निरीक्षण के बाद दी गई. मंजूरी का पत्र नेशनल कमीशन फॉर होम्योपैथी एक्ट, 2020 की धारा 29 के तहत जारी किया गया.

स्वास्थ्य मंत्री ने फैसले का किया स्वागत

सोमवार को फैसले के बाद मंगलवार को छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी. बैचलर ऑफ़ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी की पढ़ाई के लिए प्रदेश में पहला सरकारी होम्योपैथी कॉलेज नवा रायपुर में खुलेगा. छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस फैसले का स्वागत किया है. श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि यह मंजूरी छत्तीसगढ़ में आयुष चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इससे होम्योपैथी में उच्च शिक्षा चाहने वाले छात्रों के लिए और अधिक अवसर पैदा होंगे.

NEET में सफल अभ्यर्थी ले सकेंगे एडमिशन

BHMS कोर्स में दाखिले नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट में सफल होने वाले उम्मीदवारों के आधार पर होंगे. कुल 63 सीटों में 15 फीसदी सीटें ऑल इंडिया कोटा के तहत रिजर्व होगी. बाकी 85 प्रतिशत सीटें तय नियमों के अनुसार संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के सक्षम काउंसलिंग प्राधिकरण के माध्यम से भरी जाएंगी. मंजूर की गई सीटों में आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों यानी की ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए भी सीटें शामिल हैं.

> इस कदम से शैक्षणिक और क्लिनिकल सुविधाओं को मज़बूत करने, प्रशिक्षित होम्योपैथिक डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने और राज्य में होम्योपैथी स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में मदद मिलेगी
>
> - श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री, छत्तीसगढ़

भूपेश बघेल को हाईकोर्ट से झटका, चुनाव याचिका में नए बिंदु जोड़ने की मांग खारिज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ दायर चुनाव याचिका मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट से बड़ा अपडेट आया है। हाईकोर्ट ने भूपेश बघेल की ओर से याचिका में नए बिंदु जोड़ने के लिए दायर आवेदन को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने पिछले दिनों इस पर फैसला सुरक्षित रखा था, जिसे आज सुनाया गया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 3 नवंबर की तारीख तय की है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला 2023 के पाटन विधानसभा चुनाव से जुड़ा है। भाजपा नेता विजय बघेल ने पाटन से चुनाव हारने के बाद भूपेश बघेल के निर्वाचन को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। विजय बघेल का आरोप था कि भूपेश बघेल ने मतदान से 48 घंटे पहले लागू साइलेंस पीरियड (प्रचार निषेध अवधि) के दौरान निर्वाचन क्षेत्र में रैली निकाली, जो आचार संहिता का उल्लंघन है।

इसी आधार पर उन्होंने भूपेश बघेल का चुनाव रद्द करने की मांग की थी।

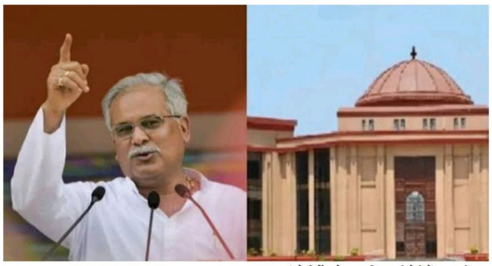

अब तक क्या हुआ?

भूपेश बघेल की ओर से याचिका पर आपत्ति लगाई गई थी कि यह निर्धारित समय-सीमा के बाद दायर की गई है। इस आपत्ति के चलते विजय बघेल की गवाही की प्रक्रिया प्रभावित हुई थी। मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था, जहां से निर्देश के बाद फिर हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसी बीच भूपेश बघेल पक्ष ने याचिका में नए बिंदु जोड़ने के लिए आवेदन दिया था, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। अब 3 नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई में इस हाई-प्रोफाइल चुनाव याचिका पर आगे की कानूनी प्रक्रिया तय होगी।

8वीं क्लास की छात्रा ने की आत्महत्या:परिजन बोले- स्कूल में प्रताड़ित किया गया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नगर स्थित सरस्वती शिक्षा मंदिर में 8वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा आकांक्षा सेन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। । छात्रा की मौत के बाद परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।परिजनों का आरोप है कि, स्कूल में बच्ची को डांटा-फटकारा गया और मानसिक रूप से परेशान किया गया। इसी से परेशान होकर उसने आत्मघाती कदम उठाया। मामले में टिकरापारा थाने में शिकायत की गई है। मामला टिकरापारा थाना इलाके का है।

इस मामले में परिजनों और स्थानीय लोगों ने स्कूल के बाहर जाकर प्रदर्शन भी किया है। स्कूल पहुंचे पूर्व पार्षद देवेंद्र यादव ने कहा कि, छात्रा की मां सोमवार शाम करीब 4 बजे स्कूल पहुंची थीं, लेकिन उन्हें गेट से ही वापस भेज दिया गया।

वहीं, स्कूल की प्रिंसिपल इंद्राणी दुबे ने बच्चों को प्रताड़ित करने के आरोप से इनकार किया है। उनका कहना है कि एक टीचर पर कमेंट की शिकायत पर बच्चियों से बात की गई थी और उन्हें अगले दिन अपने पैरेंट्स के साथ आने के लिए कहा गया था।

दरअसल, स्कूल प्रबंधन के मुताबिक, शुक्रवार (9 अक्टूबर) को लंच के दौरान खेलते समय 8वीं क्लास की 4 बच्चियों ने स्कूल की टीचर गंगोत्री के लिए अपशब्द कहे थे। जिसमें आकांक्षा भी शामिल थी। ये बात छठवीं के कुछ बच्चों ने सुनी और इसकी शिकायत शिक्षिका से की।

शिक्षिका के शिकायत के बाद प्रिंसिपल ने चारों बच्चियों को बुलाकर इस बारे में पूछा। प्रिंसिपल ने बताया कि, उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने टीचर के लिए ऐसी कोई बात कही है, जिससे उन्हें दुख पहुंचा हो। उन्होंने बच्चियों को शिक्षकों और बड़ों का सम्मान करने की समझाइश भी दी। प्रिंसिपल के मुताबिक, बच्चियां चुप रहीं और उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

इसके बाद छठवीं कक्षा के उन बच्चों को बुलाया गया, जिन्होंने टीचर के लिए अपशब्द कहे जाने की शिकायत की थी। प्रिंसिपल ने कहा कि इसके बाद बच्चियों को अगले दिन अपने माता-पिता के साथ स्कूल आने के लिए कहा गया था। उन्होंने बच्चियों को प्रताड़ित करने के आरोप से इनकार किया है। उनका कहना है कि बच्चों से बातचीत के दौरान इतनी ही बात हुई थी।

बस सफर महंगा: किराए में 40% तक बढ़ोतरी, जानें नई दरें

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग की नई अधिसूचना के बाद प्रदेश में साधारण बसों का किराया 1.25 रुपये प्रति किलोमीटर से बढ़ाकर 1.75 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। प्रति किलोमीटर 50 पैसे यानी लगभग 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने से लंबी दूरी के यात्रियों सहित दैनिक यात्रियों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

बस श्रेणियों के अनुसार नई दरें

परिवहन विभाग की जारी अधिसूचना के मुताबिक साधारण बसों में शुरुआती पांच किलोमीटर का किराया 10 रुपये निर्धारित किया गया है और इसके आगे 1.75 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान करना होगा। इसी तरह डीलक्स बसों में पहले पांच किलोमीटर के लिए 12 रुपये और उसके बाद 2.20 रुपये प्रति किलोमीटर की दर तय की गई है। डीलक्स एसी स्लीपर और सेमी-स्लीपर बसों का किराया 3.20 रुपये प्रति किलोमीटर तय हुआ है। वोल्वो और सुपर लग्जरी एसी बसों में यात्रा के लिए 3.30 रुपये प्रति किलोमीटर का भुगतान करना पड़ेगा। इसके अलावा रात के समय चलने वाली साधारण बस सेवाओं में यात्रियों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग की नई अधिसूचना के बाद प्रदेश में साधारण बसों का किराया 1.25 रुपये प्रति किलोमीटर से बढ़ाकर 1.75 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। प्रति किलोमीटर 50 पैसे यानी लगभग 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने से लंबी दूरी के यात्रियों सहित दैनिक यात्रियों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

> **बस श्रेणियों के अनुसार नई दरें**
>
> परिवहन विभाग की जारी अधिसूचना के मुताबिक साधारण बसों में शुरुआती पांच किलोमीटर का किराया 10 रुपये निर्धारित किया गया है और इसके आगे 1.75 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान करना होगा। इसी तरह डीलक्स बसों में पहले पांच किलोमीटर के लिए 12 रुपये और उसके बाद 2.20 रुपये प्रति किलोमीटर की दर तय की गई है। डीलक्स एसी स्लीपर और सेमी-स्लीपर बसों का किराया 3.20 रुपये प्रति किलोमीटर तय हुआ है। वोल्वो और सुपर लग्जरी एसी बसों में यात्रा के लिए 3.30 रुपये प्रति किलोमीटर का भुगतान करना पड़ेगा। इसके अलावा रात के समय चलने वाली साधारण बस सेवाओं में यात्रियों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

रियायत और प्रशासनिक निर्देश

अधिसूचना में समाज के विशेष वर्गों के लिए किराए में छूट का प्रावधान रखा गया है। इसमें दृष्टिहीन, गंभीर रूप से दिव्यांग, 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक, एचआईवी पीड़ित और अन्य अधिसूचित श्रेणियों के यात्री शामिल हैं। हालांकि आम यात्रियों को नई बढ़ी हुई दरों के अनुसार ही किराया चुकाना होगा। बेमेतरा के जिला परिवहन अधिकारी किशन लाल माहौर ने बताया कि नई किराया दरें लागू कर दी गई हैं। उन्होंने बस संचालकों को अपनी बसों में नई किराया सूची स्पष्ट रूप से चस्पा करने का निर्देश दिया है।

एसआई अभ्यर्थियों के लिए झटका, सीजीपीएससी ने दूसरी बार बदली परीक्षा तारीख, अब अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने अभ्यर्थियों को बड़ा झटका देते हुए सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग (एसआई) और प्लाटून कमांडर मुख्य परीक्षा-2024 को स्थगित कर दिया है। आयोग ने मंगलवार को आदेश जारी कर कहा कि यह परीक्षा अब पूर्व निर्धारित तारीख 2, 3 और 4 नवंबर 2026 को आयोजित नहीं होगी। आयोग ने इसके पीछे "अपरिहार्य कारणों" का हवाला दिया है, हालांकि विस्तृत वजह नहीं बताई गई है।

नई तारीख का इंतजार

आयोग ने साफ किया है कि नई तारीख की घोषणा बाद में अलग से की जाएगी। मुख्य परीक्षा की तैयारी में जुटे हजारों अभ्यर्थियों को अब संशोधित टाइम-टेबल का इंतजार करना होगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक वेबसाइट psc.cg.gov.in पर नजर बनाए रखें।

राज्योत्सव से टकराव बना संभावित कारण

जानकारों के मुताबिक परीक्षा स्थगित होने की बड़ी वजह राज्योत्सव हो सकता है। छत्तीसगढ़ में 1 से 3 नवंबर तक राज्योत्सव का भव्य आयोजन होना है। वहीं एसआई मुख्य परीक्षा 2 से 4 नवंबर को प्रस्तावित थी। राज्योत्सव के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती होती है। ऐसे में एक साथ दो बड़े आयोजन कराना मुश्किल था। हालांकि आयोग ने अपने आदेश में राज्योत्सव का जिक्र नहीं किया है, लेकिन तारीखों का टकराव ही स्थगन की सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है।

कलेक्टर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजगंज का किया औचक निरीक्षण

★ शिक्षिका की भूमिका में दिखीं कलेक्टर, ब्लैकबोर्ड पर लिखा ''मैंगिफेरा इंडिका'' और ग्लोब से समझाया देशों का भूगोल

★ टॉपर बनें, डॉक्टर-इंजीनियर और आईएएस बनें- कलेक्टर ने विद्यार्थियों में भरा जोश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजगंज का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं वाणिज्य, 11वीं कला तथा 11वीं जीवविज्ञान की कक्षाओं में पहुँचकर विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम पर चर्चा की और उनकी पढ़ाई की प्रगति जानी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एक शिक्षिका की भूमिका में भी नजर आईं। कक्षा 11वीं जीवविज्ञान में उन्होंने हाथ में चॉक लेकर ब्लैकबोर्ड पर ''मैंगिफेरा इंडिका'' लिखा और विद्यार्थियों से पूछा कि यह किस फल का वानस्पतिक नाम है। विद्यार्थियों ने तत्परता से उत्तर दिया कि यह फलों के राजा आम का वानस्पतिक नाम है। सही उत्तर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। इसी तरह कक्षा 11वीं कला में उन्होंने ग्लोब मंगवाकर विद्यार्थियों को विभिन्न देशों की भौगोलिक स्थिति का व्यावहारिक प्रदर्शन कराया, जिससे बच्चों ने रुचि के साथ भूगोल को समझा।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास के साथ पैटर्न आधारित तैयारी और समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे लगन से पढ़ाई कर टॉपर बनें और आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर तथा आईएएस अधिकारी बनकर अपने परिवार, गांव और जिले का नाम रोशन करें।

विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर ने प्राचार्य को कक्षाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा गृहकार्य के साथ प्रतिदिन कक्षा में ही विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य देने के निर्देश दिए। उन्होंने पढ़ाए जा चुके पाठ्यक्रम का नियमित पुनरावलोकन कराने और बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों से पुराने प्रश्नपत्र हल कराने को कहा, ताकि वे परीक्षा के स्वरूप से भली-भाँति परिचित हो सकें। साथ ही विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों को नियमित रूप से प्रायोगिक कार्य कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शिक्षकों से ऐसी प्रभावी शिक्षण विधियाँ अपनाने का आग्रह किया, जिनसे विद्यार्थी विषयों को सरलता और रुचि के साथ समझ सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का समर्पण और विद्यार्थियों की मेहनत ही बेहतर परीक्षा परिणाम की नींव है।

डबल मर्डर के चौथे दिन भी सुराग नहीं, पुलिस की अलग अलग टीमें जांच में जुटी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत केशवनगर के ममता कालोनी निवासी महिला शिक्षिका और उसके बेटे की नृशंस हत्या मामले में पुलिस को चौथे दिवस भी किसी प्रकार का सुराग नहीं मिल सका है। एसपी द्वारा लगातार घटना की मानीटरिंग करने के साथ ही जिले के अलग अलग थाना चौकियों के तेज तर्रार स्टॉफ की ड्यूटी लगाई है, जो अपने अपने स्तर पर जांच में जुटे हैं। मृतिका के संपर्क में रहने वाले लोगों की पुलिस द्वारा कुंडली खंगाली जा रही है। मृतिका के कथित प्रेमी से भी पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है।

घटना के बाद से मृतक मां बेटे का मोबाइल स्विच ऑफ है, पुलिस बंद मोबाइल को बरामद करने के लिए भी पूरा जोर लगाई हुई है। पुलिस द्वारा मृतक और उसके मां के मोबाइल नंबर से पिछले डेढ़ दो माह में हुई बातचीत के आधार पर उन नंबरों के मोबाइल धारकों को भी थाना तलब कर पूछताछ किए जाने की जानकारी है। मंगलवार को भी पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल बिश्रामपुर थाने में सभी मातहत अधिकारियों और कर्मियों से जांच के बिंदुओं पर चर्चा कर आरोपियों की पता तलाश में लगे दिखे। पुलिस द्वारा घटनास्थल सहित आसपास के रहवासियों से भी लगातार पूछताछ की जा रही है कि घटना दिवस या उसके आसपास कौन कौन लोग मृतिका के घर आए थे, साथ ही उसके बेटे के दोस्तों और करीबियों से भी पुलिस वन टू वन पूछताछ कर रही है। एडिशनल एसपी योगेश देवांगन ने बताया कि पुलिस हर उस बिंदु पर जांच में फोकस कर रही, जिससे मामला खुल सके।उधर दोनों का शॉट पीएम रिपोर्ट पुलिस को प्राप्त हो गया है। दोहरे हत्याकांड की घटना को लेकर स्पष्ट हो गया है कि अपराधियों ने हत्या की पूरी प्लानिंग सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया है। पुलिस अलग अलग लोगों से पूछताछ के आधार पर प्राप्त तथ्यों की कड़ियां जोड़कर दोहरे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में जुटी हुई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से लक्ष्मीनिया का पक्के घर का सपना हुआ साकार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जीवन की ढलती उम्र में इंसान की ख्वाहिशें भी छोटी हो जाती हैं। न कोई बड़ी चाहत होती है, न किसी ऐशो आराम की उम्मीद।

बस जिंदगी के बचे हुए पल सुकून और सुरक्षा के साथ गुजर सकें। लेकिन कई जरूरतमंद के लिए यह छोटी-सी ख्वाहिश भी वर्षों तक अधूरी रह जाती है। सूरजपुर जिले के विकासखंड रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत रामानुजनगर निवासी बुजुर्ग श्रीमती लक्ष्मीनिया की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। जीवन का लंबा सफर कच्चे मकान में गुजारने के बाद आज उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से अपना पक्का आशियाना मिल गया है।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए 15 एवं 16 अक्टूबर को आकलन शिविर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में 6 से 18 वर्ष आयु के विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आकलन एवं मूल्यांकन शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया जाएगा। पहला शिविर 15 अक्टूबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीपाडीह, शंकरगढ़ में राजपुर, शंकरगढ़ एवं कुसमी विकासखंड के बच्चों के लिए आयोजित होगा। दूसरा शिविर 16 अक्टूबर को जिला ग्रंथालय, बलरामपुर में बलरामपुर, रामचंद्रपुर एवं वाड्रफनगर विकासखंड के बच्चों के लिए लगाया जाएगा। चिन्हांकन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आगामी शिविर में पात्र बच्चों को सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे, जिससे उनकी शिक्षा और दैनिक जीवन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। जिला प्रशासन ने संबंधित विकासखंडों के अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने बच्चों को शिविर में अवश्य लेकर पहुँचें, ताकि कोई भी पात्र बच्चा इस सुविधा से वंचित न रहे।

किसान सम्मान निधि से आसान हुई खेती, कृष्णनगर के किसान अनूप दास ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ''सेवा की कहानी'' श्रृंखला में आज हम आपको ऐसे किसान से मिलवा रहे हैं, जिनके लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना खेती-किसानी के कठिन समय में बड़ा सहारा बनी है। विकासखंड बलरामपुर के ग्राम कृष्णनगर निवासी किसान श्री अनूप दास धान और मक्के की खेती करते हैं और इस योजना से मिली सहायता राशि का उपयोग अपनी फसलों की बेहतर देखभाल में कर रहे हैं।

श्री अनूप दास बताते हैं कि उन्होंने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया था, जिसके बाद उन्हें दो-दो हजार रुपये प्रत्येक किस्त के रूप में प्राप्त हो रहे हैं । वर्तमान में खेती का मौसम चल रहा है और धान की फसल को कीटनाशक तथा उर्वरक की आवश्यकता है। ऐसे समय में यह राशि उनके लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है, जिससे वे बिना किसी आर्थिक चिंता के खाद और दवाइयों की व्यवस्था कर पा रहे हैं।

छोटे और सीमांत किसानों को सीधे बैंक खाते में आर्थिक सहायता पहुँचाने वाली यह योजना ग्रामीण अंचलों में किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा रही है। समय पर मिलने वाली इस राशि से किसान खेती की जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्ज पर निर्भर रहने से बच रहे हैं।

योजना से लाभान्वित होकर श्री अनूप दास ने किसानों के हित में यह कल्याणकारी पहल शुरू करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

सब-जूनियर कैडेट जूडो प्रतियोगिता में आर्यन ने जीता कांस्य पदक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के तत्वावधान में 9 एवं 10 अक्टूबर को बिलासपुर में 26वीं सब-जूनियर कैडेट जूडो प्रतियोगिता का आयोजन

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खिलाड़ियों को मिली बधाई

किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 250 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में एक्सीलेंस जूडो क्लब, बिश्रामपुर के प्रशिक्षक एमडी अयान के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों ने भी सहभागिता की। उक्त प्रतियोगिता में क्लब के खिलाड़ी आर्यन नायक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया है। वहीं

अर्चित सिंह, अभिषेक शाह एवं लक्ष्य थापा ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। आर्यन नायक एवं सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर सूरजपुर जिला जूडो संघ के अध्यक्ष अरविंद सिंह ने शुभकामनाएं दीं। साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी ने भी खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कोच एमडी अयान ने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि उनके निरंतर अभ्यास, अनुशासन और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

पति का साथ छूटा, लेकिन हौसला नहीं टूट, सक्षम योजना से लिखी आत्मनिर्भरता की नई कहानी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिंदगी में कभी-कभी ऐसे मुश्किल मोड़ आते हैं, जब अपनों का साथ छूटने के बाद आगे की राह बेहद कठिन नजर आने लगती है। विशेषकर जब परिवार की जिम्मेदारियां और बच्चों के भविष्य की चिंता एक साथ सामने खड़ी हों, तो परिस्थितियों से संघर्ष करना आसान नहीं होता। लेकिन मजबूत हौसले, मेहनत और सही समय पर मिले सहयोग से मुश्किल परिस्थितियों को भी नए अवसर में बदला जा सकता है। ऐसी ही सूरजपुर जिले के ग्राम केशवनगर निवासी श्रीमती अमृता प्रजापति, जिन्होंने पति के निधन के बाद जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए सक्षम योजना की सहायता से आत्मनिर्भरता की नई राह बनाई है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा की कहानी में श्रीमती अमृता प्रजापति का संघर्ष और आत्मनिर्भर बनने का सफर महिलाओं के साहस, संकल्प और स्वावलंबन की प्रेरक मिसाल है।

श्रीमती अमृता प्रजापति बताती हैं कि वर्ष 2021 में उनके पति स्वर्गीय श्री संतोष प्रजापति का निधन हो गया। पति के असमय चले जाने से उनके जीवन में कठिन परिस्थितियां उत्पन्न हो गईं। एक ओर जीवनसाथी को खोने का दुख था, तो दूसरी ओर बच्चों के पालन-पोषण, उनकी शिक्षा और परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने की जिम्मेदारी भी सामने थी।पति के निधन के बाद वे कुछ समय तक अपने मायके में रहीं। लेकिन वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए स्वयं कुछ करना चाहती थीं। परिस्थितियां कठिन जरूर थीं, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने पैरों पर खड़े होने का संकल्प लिया।

श्रीमती अमृता प्रजापति बताती हैं कि मायके से लौटने के बाद उन्हें सक्षम योजना की जानकारी मिली। उन्होंने योजना के अंतर्गत आवेदन किया, जिसके पश्चात उन्हें एक लाख रुपए का ऋण प्राप्त हुआ। यह आर्थिक सहायता उनके लिए जीवन में नई शुरुआत का अवसर बन गई। प्राप्त ऋण राशि का उपयोग उन्होंने दुकान के लिए जगह तैयार करने और अपना छोटा व्यवसाय शुरू करने में किया। साथ ही उन्होंने सिलाई मशीन भी खरीदी, जिससे दुकान संचालन के अलावा सिलाई का कार्य कर अतिरिक्त आय अर्जित करने लगीं। कभी आर्थिक परिस्थितियों के कारण भविष्य को लेकर चिंतित रहने वाली श्रीमती अमृता प्रजापति आज अपने परिश्रम से परिवार की जिम्मेदारियां निभा रही हैं। दुकान संचालन और सिलाई के कार्य से होने वाली आमदनी उनके परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहायक बन रही है।अब वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिला पा रही हैं। जिस समय पति का साथ छूटा था, तब बच्चों के भविष्य को लेकर उनके मन में अनेक चिंताएं थीं। लेकिन आज अपने स्वरोजगार के माध्यम से अमृता को आय अर्जित करने का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य का आधार बन गया है।

श्रीमती अमृता प्रजापति बताती हैं कि सक्षम योजना से मिले एक लाख रुपए के ऋण ने उन्हें स्वयं का रोजगार स्थापित करने में मदद की। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हैं। अमृता प्रजापति बताती है कि कठिन परिस्थितियों में मिला आर्थिक सहयोग मेरे जैसे कई महिलाओं के जीवन को नई दिशा दे सकता है।

शासन के आदेश के 25 दिन बाद भी नहीं सौंपा सिविल सर्जन का प्रभार

जिला अस्पताल बलरामपुर में स्थानांतरण आदेश के पालन में देरी का मामला, 25 डॉक्टरों सहित 131 कर्मचारियों ने हस्ताक्षर कर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। जिला चिकित्सालय बलरामपुर में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के पद पर स्थानांतरण के बाद भी प्रभार हस्तांतरण नहीं होने का मामला सामने आया है। शासन द्वारा 17 सितंबर 2026 को जारी स्थानांतरण आदेश के 25 दिन से अधिक समय बीत जाने के बावजूद नवनियुक्त सिविल सर्जन को विधिवत प्रभार नहीं सौंपे जाने की शिकायत कलेक्टर से की गई है। इस मामले में जिला अस्पताल के 25 डॉक्टरों सहित कुल 131 कर्मचारियों ने हस्ताक्षर कर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में शासन के आदेश का तत्काल पालन सुनिश्चित कराने तथा प्रभार हस्तांतरण में हुई देरी की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की गई है।

डॉ. रामप्रसाद तिर्की को सौंपा गया है प्रभार

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 17 सितंबर 2026 को जारी आदेश के तहत डॉ. रामप्रसाद तिर्की को जिला चिकित्सालय बलरामपुर के सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के पद पर पदस्थ किया गया है। वहीं, पूर्व पदस्थ अधिकारी डॉ. शशांक गुप्ता को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर में पदस्थ करने का आदेश जारी किया गया है। ज्ञापनकर्ताओं के अनुसार, शासन के आदेश के बावजूद डॉ. शशांक गुप्ता द्वारा नवनियुक्त सिविल सर्जन को विधिवत प्रभार नहीं सौंपा गया है। इससे शासन के आदेश के क्रियान्वयन में विलंब हो रहा है। साथ ही, अस्पताल की प्रशासनिक व्यवस्था के सुचारु संचालन को लेकर भी चिंता जताई गई है।

प्रभार हस्तांतरण में देरी की जांच की मांग

कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि स्थानांतरण एवं नवीन पदस्थापना के बाद संबंधित अधिकारियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्यभार ग्रहण करने और प्रभार हस्तांतरण की औपचारिकताएं पूरी करनी चाहिए। ज्ञापन में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम, 1982 तथा स्थानांतरण नीति 2025 का उल्लेख करते हुए शासन के निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित कराने का आग्रह किया गया है।

ज्ञापनकर्ताओं ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले में तत्काल संज्ञान लेकर पूर्व पदस्थ अधिकारी को समस्त अभिलेखों, वित्तीय एवं प्रशासनिक दस्तावेजों और अन्य संबंधित दायित्वों सहित प्रभार नवनियुक्त सिविल सर्जन को सौंपने के निर्देश दिए जाएं। इसके साथ ही प्रभार हस्तांतरण में हुई देरी के कारणों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाए।

भविष्य में देरी रोकने के लिए निर्देश जारी करने की मांग

ज्ञापन में यह भी अनुरोध किया गया है कि भविष्य में शासन के स्थानांतरण आदेशों के पालन में इस तरह की देरी न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। जिला चिकित्सालय के 25 डॉक्टरों सहित 131 कर्मचारियों के हस्ताक्षर वाले इस ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भी सूचनार्थ भेजे जाने का उल्लेख है।

अब इस मामले में जिला प्रशासन की कार्रवाई पर नजर रहेगी। शासन के स्थानांतरण आदेश के अनुपालन और प्रभार हस्तांतरण को लेकर उठाए गए इस मुद्दे पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

मुर्गी एवं बकरी पालन से तकदीर, हर महीने 10-15 हजार रुपये की अतिरिक्त आय

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की योजनाएं ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। रामचन्द्रपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत धौली के निवासी श्री शिवकुमार की कहानी इसका जीवंत उदाहरण है, जिन्होंने पशुपालन को आजीविका का सशक्त माध्यम बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। कुछ समय पहले तक श्री शिवकुमार आय के सीमित साधनों पर निर्भर थे और परिवार की जरूरतें पूरी करना उनके लिए चुनौती बना रहता था। इसी दौरान उन्हें संसदीय संकुल विकास परियोजना की जानकारी मिली। परियोजना के माध्यम से उन्होंने मुर्गी एवं बकरी पालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसमें उन्हें पशुओं की देखभाल, पोषण, रोग से बचाव और बेहतर प्रबंधन की वैज्ञानिक जानकारी मिली।

प्रशिक्षण से मिले ज्ञान और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने गांव में ही मुर्गी एवं बकरी पालन का व्यवसाय शुरू किया। मेहनत और सही तकनीक अपनाने से उनका व्यवसाय निरंतर आगे बढ़ता गया। आज वे इस कार्य से हर महीने 10 से 15 हजार रुपये की अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रहे हैं। इस आय से परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है और घरेलू आवश्यकताओं के साथ बच्चों की शिक्षा में भी उन्हें बड़ा सहारा मिल रहा है। श्री शिवकुमार की सफलता ने न केवल उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि उनकी रोजगार क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। उनकी उपलब्धि से प्रेरित होकर गांव के अन्य युवा भी पशुपालन को स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं। यह कहानी बताती है कि कौशल प्रशिक्षण और सही मार्गदर्शन से गांव में ही सम्मानजनक आजीविका के अवसर तैयार किए जा सकते हैं, और यही सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य है।

सइंया भैये कोतवाल तो डर काहे का....?

सड़क सुरक्षा का संदेश लेकर दौड़ा सूरजपुर, मैराथन में दिखा लोगो का उत्साह

स्वास्थ्य मंत्री और महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बाइक रैली में शामिल होकर दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित यातायात का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं अपना हेल्प क्यूआर के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। मैराथन में लगभग 800 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।मैराथन का शुभारंभ राजमोहनी माता चौक से प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने हरी झंडी दिखाकर किया।इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री एवं महिला बाल विकास विभाग मंत्री साहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने स्वयं बाइक रैली में शामिल होकर नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित वाहन चालन का संदेश दिया।,, यह अलग बात है कि सुरक्षित वाहन चालन का संदेश देने के दौरान उनकी ही पार्टी के कुछ नेता मंत्रियों के अगल बगल नियमो की धज्जियां उड़ाते हुए वाहन चलाते नजर आए।यही नहीं इस लापरवाही पर जिम्मेदारो की खामोशी भी शहर में चर्चा का विषय रही।लोग चुटकी लेते हुए यह कहने से बाज नहीं आये की सइंया भैये कोतवाल तो डर काहे का....?

मैराथन का समापन साधुराम सेवा कुंज में हुआ। इस दौरान रोड सेफ्टी मैराथन में विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी,जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, वनमण्डलाधिकारी विपुल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, अन्य अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, मैराथन प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं दुर्घटना की स्थिति में त्वरित सहायता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोड सेफ्टी अपना हेल्प क्यूआर के लोगो का शुभारंभ भी किया गया।इस पहल के माध्यम से तकनीक का उपयोग कर आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया।इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उपस्थित जनसमूह को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे स्वयं दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का उपयोग करते थे। उन्होंने युवाओं से कहा कि सुरक्षित यातायात की शुरूआत हमें स्वयं से करनी होगी। सड़क सुरक्षा के नियमों को केवल याद रखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाना भी जरूरी है।

मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अनुशासित, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सड़क दुर्घटना पीड़ितों की सहायता के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि पीएम राहवीर योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर सहायता करने वाले पात्र राहवीर को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रावधान है।सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के लिए निर्धारित प्रावधानों के तहत कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध है।उन्होंने नागरिकों से दुर्घटना की स्थिति में घायलों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता को व्यवहार में उतारना आवश्यक है।हेलमेट पहनना, सुरक्षित गति से वाहन चलाना और यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मैराथन में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति ली गई शपथ स्वयं के साथ दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती हैं, बल्कि पूरे परिवार को अनेक कठिनाइयों और संकटों का सामना करना पड़ता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहते हुए यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए।विधायक भूलन सिंह मरावी ने मैराथन में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल शपथ लेने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसका गंभीरता से पालन करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने मैराथन में बच्चों एवं युवाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। सड़क दुर्घटना के बाद घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर त्वरित उपचार उपलब्ध कराया जाए, तो कई अनमोल जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल 5 किलोमीटर की दौड़ नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति हमारी सामूहिक जागरूकता, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने, सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा दुर्घटना की स्थिति में घायलों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया। अपना हेल्प क्यूआर जिले में इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ किया गया है।इस पहल के माध्यम से नागरिकों को एक ही क्यूआर कोड स्कैन करने पर अनेक महत्वपूर्ण सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस एवं पुलिस को कॉल करने, परिजनों को सूचना पहुंचाने तथा गलत पार्किंग की स्थिति में वाहन मालिक को अलर्ट भेजने जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इस प्रणाली में उपयोगकताओं की व्यक्तिगत जानकारी एवं पहचान की गोपनीयता का भी विशेष ध्यान रखा गया है।जिले के सभी ब्लाइंड स्पॉट पर भी क्यूआर कोड लगाए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर नागरिक आसानी से सहायता प्राप्त कर सकें।

सड़क सुरक्षा का लिया गया सामूहिक संकल्प

इस अवसर पर मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उपस्थित जनसमूह को सड़क सुरक्षा की सामूहिक शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा का संकल्प केवल स्वयं की नहीं, बल्कि दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी है। सभी ने यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने, तेज रफ्तार से बचने तथा दुर्घटना की स्थिति में घायलों की सहायता के लिए आगे आने का संकल्प लिया।साथ ही तकनीक को जीवन बचाने का माध्यम बनाते हुए अपना हेल्प क्यूआर के जरिए जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरान न कोई दुर्घटना अनदेखी रहेगी न कोई जरूरतमंद अकेला रहेगा के संदेश के साथ सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।

नॉकआउट लीग फुटबॉल मुकाबले के सेकंड राउंड के रोमांचक मुकाबले मे शंकरगढ़ और गुमगरा ने मारी बाजी

अंबिकापुर। संभाग स्तरीय नॉकआउट कमलीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 के सेकंड राउंड में आज दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। दोनों ही मैचों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। पहला मैच शंकरगढ़ और बकनाखुर्द के बीच खेला गया। पहले हाफ में दोनों टीमों ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल दिखाया, कई बार गोल के करीब पहुंचीं लेकिन डिफेंस की मजबूती के कारण गोल नहीं हो सका। निर्धारित समय तक स्कोर 0-0 रहने पर मैच का फैसला टाई ब्रेकर से किया गया, जिसमें शंकरगढ़ की टीम ने 5-3 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

कार्तिक उरांव की मूर्ति अनावरण को लेकर प्रेमनगर में बैठक, 29 अक्टूबर को अंबिकापुर में होगा भव्य कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

प्रेमनगर। महान आदिवासी नेता एवं जनजातीय समाज के गौरव स्व. कार्तिक उरांव जी की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम को लेकर प्रेमनगर के गोंडवाना भवन में जनजाति सुरक्षा मंच की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बता दें कि आगामी 29 अक्टूबर को अंबिकापुर में स्व. कार्तिक उरांव जी की मूर्ति का अनावरण किया जाना है। इसी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर यह बैठक बुलाई गई थी।

बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। जनजातीय समाज की अधिक से अधिक सहभागिता, गांव-गांव तक जनसंपर्क और समाज के लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। सदस्यों ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल मूर्ति अनावरण नहीं, बल्कि समाज की एकता, संस्कृति, परंपरा और अपने महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक माध्यम है। जनजाति सुरक्षा मंच ने समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है, ताकि महान जननेता कार्तिक उरांव जी के योगदान और उनके संघर्षों को याद किया जा सके। बैठक में जिला संयोजक संत सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता शिवनंदन सिंह मरावी, अशोक सिंह, राम ध्यान सिंह, मनबहाल सिंह, ईश्वर सिंह, फुलेश्वर सिरदार, महेंद्र सिंह मरावी, आर.डी. मरावी, परसराम उईके, पीलू राम सिंह, शंकर सिंह, सुधन राम, बंश बहादुर, प्राण साय मरावी, शिव प्रसाद, नरेंद्र सिंह, अजय सिंह, विजय राम, धनपत सिंह, राय कुमार, अदिति राम, रमेशचंद, जगसिंह, जय प्रकाश सिंह सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

माँ महामाया पर रिलीज हुआ भजन 'महामाया माई अम्बिका के दुवारी'

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। नवरात्रि के पावन पर्व पर सरगुजा की आराध्य देवी माँ महामाया को समर्पित एक भावपूर्ण भजन रिलीज हुआ है। 'महामाया माई झ अम्बिका के दुवारी' शीर्षक से यह भजन अंबिकापुर की लोक आस्था, संस्कृति और परंपरा को संगीत के माध्यम से प्रस्तुत करता है। शमी काशी प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बने इस भजन को लोकप्रिय गायिका निधि श्री ने अपनी मधुर आवाज दी है। संगीत निर्देशन का जिम्मा अवॉर्ड विनिंग संगीतकार सौरभ वैभव ने संभाला है, जबकि इसके भावपूर्ण बोल प्रिंस सुषिला पटेल ने लिखे हैं। भजन को राग अमृत के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है और यह स्पॉटीफी, जिओसावन, एप्पल म्यूजिक, गाना जैसे सभी प्रमुख प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

अम्बिका के दुवारी में झलकती है अपनत्व की आस्था

भजन का शीर्षक ही अपने आप में अंबिकापुर की पहचान है। स्थानीय लोग माँ महामाया के मंदिर को 'अम्बिका के दुवारी' यानी माँ के दरबार के रूप में बड़े अपनत्व से पुकारते हैं। इस भजन में उसी आस्था और भाव को संगीतमय रूप दिया गया है। यह सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि सरगुजा की समृद्ध धार्मिक परंपरा को देश-दुनिया तक पहुंचाने की कोशिश है।

अवॉर्ड विनर टीम की प्रस्तुति

भजन के संगीत निर्देशक सौरभ वैभव संगीत जगत का बड़ा नाम हैं। वे आईफा अवॉर्ड, मिर्ची म्यूज़िक अवॉर्ड और मेलबर्न फि ल्म सिटी अवॉर्ड से सम्मानित हो चुके हैं। भारतपे, फ्लिपकार्ट, पैनासोनिक और टीसीएल जैसे बड़े ब्रांड्स के लिए भी वे संगीत दे चुके हैं। गायिका निधि श्री की भक्तिमय आवाज और प्रिंस सुषिला पटेल के सरल-सहज बोल इस भजन को और खास बनाते हैं। नवरात्रि के मौके पर रिलीज हुआ यह भजन माँ महामाया के भक्तों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और अंबिकापुर की सांस्कृतिक पहचान को एक नई संगीतमय उड़ान दे रहा है।

सत्यनगर में बाँस कला का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, ग्रामीण कारीगरों और महिला समूहों को मिलेगा स्वरोजगार

भैयाथान। सूरजपुर जिले के विकासखंड भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत सत्यनगर में ग्रामीण कारीगरों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तीन दिवसीय बाँस कला प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। रैंप योजना के तहत यह सेक्टर स्पेसिफिक ट्रेनिंग प्रोग्राम 12 से 14 अक्टूबर तक चलेगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्टर रेना जीमल के नेतृत्व और जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में डे-एनआरएलएम एवं रैंप योजना के अंतर्गत आयोजित हो रहा है।

खाद की कालाबाजारी पर सरकार का प्रहार, एफएफएस ऐप से तय दाम पर मिलेगा उर्वरक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लुंड्रा। कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, लुंड्रा में 'फार्मवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफएफएस)' को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विकास अधिकारी सोमप्रभा भारती ने किसानों को एफएफएस एप के माध्यम से उर्वरक खरीदी के लिए ऑनलाइन टोकन लेने की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन और कृषि विभाग द्वारा यह ऑनलाइन टोकन सिस्टम किसानों के हित को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इससे पिछले कुछ समय से हो रही उर्वरक की कालाबाजारी और अधिक दामों पर बिक्री पर अंकुश लगेगा। किसानों को उनके रकबे और फसल के चयन के अनुसार उर्वरक की अनुशंसित मात्रा मिलेगी। शासन द्वारा निर्धारित कीमत पर ही उर्वरक उपलब्ध होगा। लाइन में लगने की जरूरत नहीं, घर बैठे मोबाइल से टोकन ले सकेंगे। पारदर्शी व्यवस्था से बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी।

अग्रसेन महाराज की भव्य शोभायात्रा और शिव तांडव की सजीव झांकी बनी जयंती महोत्सव का मुख्य आकर्षण

0-70 से अधिक प्रतियोगिताओं में समाज के लोगों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महाराजा अग्रसेन जी की 5150 वीं जयंती के अवसर पर अग्रवाल सभा सूरजपुर के आतिथ्य में आयोजित अग्रसेन सप्ताह महोत्सव सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक वैभव और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। अग्रोहा भवन में 4 से 11 अक्टूबर तक सप्ताहभर चले इस महोत्सव में विविध सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ लगभग 70 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जयंती के अवसर पर निकली महाराजा अग्रसेन जी की भव्य शोभायात्रा और शिव तांडव की सजीव झांकी ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। शोभायात्रा में उमड़े अग्रबंधुओं, महिलाओं और नगरवासियों की सहभागिता ने सामाजिक एकजुटता का अनुपम संदेश दिया। महाराजा अग्रसेन जी की जयंती पर विधिवत पूजा-अर्चना, स्वल्पाहार और विशाल अग्रभोज के साथ दिनभर उत्सवी माहौल बना रहा। इसके बाद निकाली गई भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में अग्रबंधु एवं महिलाएं शामिल हुए। शोभायात्रा अग्रोहा भवन से प्रारंभ होकर केतका रोड, अग्रसेन चौक, सुभाष चौक, भैयाथान रोड एवं मंदिर मार्ग से होते हुए पुनः अग्रोहा भवन पहुंची, जहां स्वल्पाहार के साथ इसका समापन हुआ। शोभा यात्रा में रथ पर सवार अग्रसेन जी की झांकी, धुमाल बैंड, शैला नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। केतका रोड में महलवाला परिवार तथा भैयाथान रोड में मे. छैलूराम विनोद कुमार परिवार की ओर से मार्ग में जलपान की व्यवस्था की गई। समाजजनों ने इस सहयोग की सराहना करते हुए आयोजन को आत्मीयता और सेवा भावना का प्रतीक बताया।

शोभायात्रा के पश्चात शाम को अग्रसेन चौक पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। भगवान शिव के दिव्य स्वरूप, शिव तांडव, शिव महिमा, शिव-पार्वती विवाह, महादेव जी, हनुमान जी की मनमोहक झांकी तथा हनुमान चालीसा के मंचन ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्ति और संगीत से सराबोर प्रस्तुतियों के बीच हुई भव्य आतिशबाजी ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। इस आयोजन का आनंद लेने के लिए अग्रवाल समाज के लोगों के साथ नगर के विभिन्न वर्गों के नागरिक भी बड़ी संख्या में पहुंचे। धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के इस संगम ने जयंती महोत्सव की रौनक को और बढ़ा दिया। अग्रसेन सप्ताह महोत्सव को सफल बनाने में जयंती आयोजन समिति, अग्रवाल सभा, अग्रवाल सेवा समिति, अग्रवाल महिला मंडल, अग्रवाल नवयुवक समिति, अग्रोहा नवयुवती संगठन, मारवाड़ी युवा मंच संस्कृति शाखा तथा अग्रवाल महिला सम्मेलन की टीमों ने पूरे सप्ताह सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन से जुड़े सदस्यों एवं पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयास, समर्पण और सहयोग से सप्ताहभर चले कार्यक्रम व्यवस्थित एवं उत्साहपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। महाराजा अग्रसेन की भव्य शोभायात्रा, शिव तांडव की सजीव झांकी, प्रतिभाओं का सम्मान और समाजजनों की व्यापक भागीदारी के साथ अग्रसेन जयंती महोत्सव ने सूरजपुर में सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव की यादगार छाप छोड़ी। इस दौरान अमृतलाल अग्रवाल, राजेश महलवाला, सुनील अग्रवाल, संजय केजरीवाल, अंकुर गर्ग, ममता अग्रवाल, गौरीश अग्रवाल, रक्षा अग्रवाल, तितिक्षा गोयल, आशा अग्रवाल, प्रज्ञा गोयल के साथ सभी समाज की सभी सामाजिक संस्थाओं की टीम अग्रसेन जयंती समारोह के सफल आयोजन में सक्रिय रही।

पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान

सप्ताहभर आयोजित खेलकूद, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज की प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। समारोह में सरगुजा संभागीय अग्रवाल महिला सभा की अध्यक्ष सीमा अग्रवाल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं भारत यात्री शशि सिंह तथा नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े अतिथि के रूप में मंचासीन रहीं। अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया तथा ऐसे आयोजनों को सामाजिक एकता, प्रतिभा विकास और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

सप्ताहभर चला सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का उत्सव

अग्रसेन सप्ताह के दौरान विभिन्न आयु वर्ग के लोगों के लिए अनेक रोचक प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए गए। खेलकूद से लेकर बौद्धिक गतिविधियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक, प्रत्येक आयोजन में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठजनों की सक्रिय भागीदारी ने महोत्सव को सर्वसमावेशी स्वरूप प्रदान किया। उत्सव का उद्देश्य महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों, सामाजिक समरसता, सेवा भावना और एकजुटता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा। सप्ताहभर चले आयोजनों ने समाज की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी को परंपराओं से जोड़ने का कार्य किया।

सम्पादकीय

नेताओं की महत्वाकांक्षा में पिस रहा आम आदमी

राजधानी दिल्ली में पिछले एक सप्ताह से राजनीतिक दलों की खींचतान का खामियाजा आम आदमी भुगत रहा है। पहले कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन, फिर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और वामपंथी संगठनों के विरोध ने दिल्ली की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। मेट्रो स्टेशन बंद हुए, रेल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ीं और इंटरनेट सेवाओं पर भी असर पड़ा। नौकरीपेशा लोग समय पर दफ्तर नहीं पहुंच पाए, विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई और रोज कमाकर खाने वालों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हुआ। नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई में आम आदमी एक बार फिर पिसने को मजबूर है। सवाल सीधा है कि अपनी ताकत दिखाने की इस राजनीति में जनता को सजा क्यों मिले? लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन जनता को परेशान करने का लाइसेंस नहीं। निर्वाचन आयोग के फैसलों पर सवाल उठाना हो, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग करनी हो या सरकार की नीतियों का विरोध करना हो, राजनीतिक दलों को अपनी बात रखने की पूरी स्वतंत्रता है। मगर विरोध का ऐसा तरीका, जो लाखों लोगों की दिनचर्या बिगाड़ दे, इसे किसी सूरत में सही नहीं ठहराया जा सकता। नेता धरने पर बैठकर अपनी मांगों के लिए लड़ते हैं, लेकिन इसकी कीमत उस कर्मचारी को चुकानी पड़ती है, जिसकी एक दिन की अनुपस्थिति वेतन कटवा सकती है। परीक्षा देने जा रहे विद्यार्थी, अस्पताल पहुंचने की कोशिश करता मरीज और रोज की कमाई पर निर्भर मजदूर किसी राजनीतिक दल के विरोधी नहीं हैं। फिर उन्हें इस लड़ाई में घसीटने का हक किसने दिया? 10 अक्टूबर को सीजेपी और वामपंथी संगठनों के प्रदर्शन के दौरान हालात की गंभीरता सामने आई। खबरों के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर दिल्ली में 45 मेट्रो स्टेशन बंद किए गए और सात हजार से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। रविवार को सुप्रीम कोर्ट की विशेष पीठ ने मेट्रो सेवाएं सामान्य रखने, इंटरनेट बाधित नहीं करने और लोगों की आवाजाही नहीं रोकने पर जोर दिया। संबंधित अधिकारियों से जवाब भी मांगा गया। हालांकि कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन प्रतिबंध समस्या के अनुपात में ही होने चाहिए। कुछ स्थानों पर तनाव की आशंका के कारण पूरे शहर की रफ्तार रोक देना उचित नहीं। सुरक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि प्रदर्शन भी हो और आम नागरिक का जीवन भी चलता रहे। विडंबना यह है कि हर राजनीतिक दल जनता के नाम पर राजनीति करता है, लेकिन विरोध के दौरान सबसे पहले उसी जनता की सुविधा को ताक पर रख देता है। इस बार तो एक गैर जिम्मेदार दल और कुछ कथित नेता अपनी महत्वाकांक्षा के चलते लोगों को बरगलाकर प्रदर्शन में धकेल रहे हैं। राजनीतिक दलों को प्रदर्शन के लिए ऐसे स्थान और तरीके चुनने चाहिए, जिनसे सार्वजनिक परिवहन, अस्पतालों, स्कूलों और कामकाजी लोगों की आवाजाही प्रभावित न हो। प्रशासन को भी वैकल्पिक मार्गों और परिवहन की व्यवस्था करनी चाहिए तथा प्रतिबंधों को अंतिम विकल्प के रूप में अपनाना चाहिए। राजनीति जनसेवा का माध्यम है, जनजीवन को बंधक बनाने का नहीं। नेताओं को समझना होगा कि जनता केवल रैलियों में भीड़ जुटाने या चुनाव में वोट देने के लिए नहीं है। उसकी रोजमर्रा की जरूरतें और अधिकार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने राजनीतिक दलों के मुद्दे। लोकतंत्र की सार्थकता शक्ति प्रदर्शन में नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा में है।

मुद्दा
महेन्द्र तिवारी

सस्ता डेटा बेहतर या तेज उपग्रह नेटवर्क

> अब तक देश में इंटरनेट की पहुंच बढ़ाने का प्रमुख आधार मोबाइल टावर, भूमिगत प्रकाशीय तंतु और दूरसंचार नेटवर्क रहे हैं। उपग्रहों के माध्यम से इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली तकनीक ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं। इस परिवर्तन के केंद्र में एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की स्टारलिंक सेवा और मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो जैसी कंपनियां हैं। इन दोनों के बीच उभरती प्रतिस्पर्धा केवल दो उद्योगपतियों की कारोबारी लड़ाई नहीं है, बल्कि यह भारत में भविष्य की संचार व्यवस्था, बाजार के नियमों और डिजिटल आत्मनिर्भरता से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। एलन मस्क की स्टारलिंक निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित उपग्रहों के माध्यम से इंटरनेट उपलब्ध कराती है।

भारत में इंटरनेट की दुनिया एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। अब तक देश में इंटरनेट की पहुंच बढ़ाने का प्रमुख आधार मोबाइल टावर, भूमिगत प्रकाशीय तंतु और दूरसंचार नेटवर्क रहे हैं। उपग्रहों के माध्यम से इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली तकनीक ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं। इस परिवर्तन के केंद्र में एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की स्टारलिंक सेवा और मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो जैसी कंपनियां हैं। इन दोनों के बीच उभरती प्रतिस्पर्धा केवल दो उद्योगपतियों की कारोबारी लड़ाई नहीं है, बल्कि यह भारत में भविष्य की संचार व्यवस्था, बाजार के नियमों और डिजिटल आत्मनिर्भरता से जुड़ा महत्त्वपूर्ण प्रश्न भी है। एलन मस्क की स्टारलिंक निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित उपग्रहों के माध्यम से इंटरनेट उपलब्ध कराती है। इसकी विशेषता यह है कि इसके लिए प्रत्येक स्थान तक भूमिगत तार बिछाना या मोबाइल टावर स्थापित करना आवश्यक नहीं होता। उपयोगकर्ता के स्थान पर उपयुक्त उपकरण लगाकर उपग्रहों के माध्यम से इंटरनेट से जुड़ा जा सकता है।

यह व्यवस्था विशेष रूप से उन क्षेत्रों में उपयोगी हो सकती है, जहां पहाड़, घने जंगल, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां अथवा बिखरी हुई आबादी के कारण पारंपरिक संचार नेटवर्क पहुंचाना कठिन और खर्चीला होता है। भारत जैसे विशाल देश में इस तकनीक की उपयोगिता को नकारा नहीं जा सकता। हिमालयी क्षेत्रों के गांवों, सीमावर्ती बस्तियों, द्वीपों और दूरस्थ वनवासी क्षेत्रों में इंटरनेट की बेहतर उपलब्धता शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार तथा प्रशासनिक सेवाओं को मजबूत कर सकती है। प्राकृतिक आपदाओं के समय भी उपग्रह आधारित संचार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बाढ़, भूकंप अथवा चक्रवात के कारण जब सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाएँ और जमीन पर आधारित संचार व्यवस्था बाधित हो जाए, तब उपग्रह संपर्क राहत और बचाव कार्यों में सहायक बन सकता है। हालांकि, इसके लिए बिजली, उपयुक्त उपकरण और आवश्यक तकनीकी व्यवस्था भी उपलब्ध होनी चाहिए। स्टारलिंक की भारत में संभावित शुरुआत को लेकर चर्चा उस समय अधिक तेज हो गई, जब कंपनी को आवश्यक प्रारंभिक नियामकीय अनुमतियां मिलने के बाद भी व्यावसायिक सेवा शुरू करने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। भारत में किसी विदेशी उपग्रह संचार कंपनी के लिए केवल अनुमति प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। उसे सुरक्षा संबंधी शर्तों, तकनीकी मानकों, नियामकीय नियमों और अन्य निर्धारित आवश्यकताओं को पूरा करना पड़ता है। उपग्रहों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं में राष्ट्रीय सुरक्षा और संचार व्यवस्था की निगरानी विशेष रूप से महत्वपूर्ण होती है। इसी पृष्ठभूमि में एलन मस्क और मुकेश अंबानी के बीच विवाद चर्चा का विषय बना। अक्टूबर 2026 में मस्क ने सामाजिक संचार मंच एक्स पर अंबानी के प्रभाव को लेकर व्यंग्यात्मक टिप्पणियां कीं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में कुछ प्रभावशाली कारोबारी उपग्रह इंटरनेट के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को सीमित करना चाहते हैं। उन्होंने अंबानी को निशाना बनाते हुए यह भी पूछा कि क्या वही भारत के वास्तविक निर्णायक हैं। मस्क की टिप्पणियों में यह शिकायत दिखाई देती है कि उनकी कंपनी को भारतीय बाजार में अपनी सेवाएं

शुरू करने के लिए अपेक्षित गति से आगे बढ़ने का अवसर नहीं मिल रहा है। हालांकि, किसी कंपनी को अनुमति मिलने में देरी को सीधे तौर पर दूसरी कंपनी के दबाव या एकाधिकार की कोशिश का प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसके लिए ठोस तथ्य आवश्यक हैं। भारत सरकार का पक्ष है कि उपग्रह संचार सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को निर्धारित नियमों और सुरक्षा संबंधी शर्तों का पालन करना होगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह किसी एक कंपनी को विशेष लाभ देने के पक्ष में नहीं है। स्टारलिंक, जियो की उपग्रह संचार सेवा और वनवेब जैसी कंपनियों को संबंधित नियामकीय आवश्यकताएं पूरी करनी होंगी। इस दृष्टि से विवाद को समझने के लिए आरोपों और प्रमाणित तथ्यों के बीच अंतर बनाए रखना जरूरी है। इस बहस में जोहो के संस्थापक श्रीधर वेम्बु की टिप्पणियां भी उल्लेखनीय हैं। उन्होंने भारत में सस्ते इंटरनेट की उपलब्धता और दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के महत्व को रेखांकित किया। उनके अनुसार, भारत में मोबाइल इंटरनेट की कम कीमतों ने आम नागरिकों के जीवन में व्यापक परिवर्तन किया है। कुछ वर्ष पहले तक इंटरनेट का नियमित उपयोग अनेक परिवारों के लिए महंगा था। आज विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन कर सकते हैं, छोटे व्यापारी अपने ग्राहकों तक पहुंच सकते हैं और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अनेक सरकारी तथा वित्तीय सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में रिलायंस जियो के प्रवेश ने इस परिवर्तन को गति देने में अहम भूमिका निभाई। कम कीमत पर अधिक आंकड़ा उपलब्ध कराने वाली योजनाओं ने दूसरी कंपनियों को भी अपनी सेवाओं और मूल्य निर्धारण की रणनीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया। इससे इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ी और डिजिटल सेवाओं का विस्तार हुआ। फिर भी भारत में सस्ते इंटरनेट की उपलब्धता का पूरा श्रेय किसी एक कंपनी को देना उचित नहीं होगा।

सरकारी डिजिटल पहलों, दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, तकनीकी प्रगति और स्मार्ट उपकरणों की बढ़ती उपलब्धता ने भी इसमें योगदान दिया है। अब प्रश्न यह है कि स्टारलिंक जैसी सेवा भारतीय बाजार में किस प्रकार अपनी जगह बनाएगी। उपग्रह इंटरनेट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी भौगोलिक पहुंच है, लेकिन इसकी लागत एक बड़ी चुनौती है। पारंपरिक मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करने के लिए सामान्यतः अलग से उपग्रह उपकरण लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। इसलिए भारत के विशाल उपभोक्ता वर्ग के लिए केवल तकनीकी श्रेष्ठता पर्याप्त नहीं होगी। सेवा की कीमत, विश्वसनीयता और वास्तविक उपयोगिता भी निर्णायक होंगी।

इस प्रकार दोनों व्यवस्थाओं को एक-दूसरे का पूर्ण विकल्प मानने के बजाय पूरक के रूप में देखना अधिक व्यावहारिक होगा। मोबाइल नेटवर्क और भूमिगत संचार तंत्र बड़ी आबादी को कम लागत पर जोड़ सकते हैं, जबकि उपग्रह इंटरनेट उन स्थानों तक पहुंच बढ़ा सकता है, जहां अन्य माध्यम सीमित हैं। इस विवाद का सबसे जटिल पक्ष रेडियो तरंगों के उपयोग के लिए आवश्यक स्पेक्ट्रम का आवंटन है। भारत की डिजिटल यात्रा अब केवल इंटरनेट की गति बढ़ाने तक सीमित नहीं है। यह इस बात से भी जुड़ी है कि देश अपनी तकनीकी आवश्यकताओं, आर्थिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच कैसा संतुलन स्थापित करता है। स्टारलिंक और जियो के बीच उभरती प्रतिस्पर्धा इस संतुलन की परीक्षा है। सरकार को पारदर्शी नियमों, निष्पक्ष निर्णयों और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ना होगा। अंततः सफलता किसी उद्योगपति की व्यक्तिगत जीत में नहीं, बल्कि उस व्यवस्था के निर्माण में होगी जो भारत के प्रत्येक नागरिक को डिजिटल अवसरों से जोड़ सके।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पुण्यतिथि विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

डॉ. लोहिया ने छेड़ी 'तीन आना बनाम पंद्रह आना' की बहस

सन् 1967 में 12 अक्टूबर को (यानी आज के ही दिन) पौरुष ग्रंथि के विफल ऑपरेशन से पीड़ित समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया का निधन हुआ तो राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने अपने एक भावप्रवण संस्मरण में लिखा था : कोई महीना भर पहले मैंने उन्हें सुझाया कि वे हमेशा 'सप्तक्रांति के स्फुलिंग' ही न बने रहा करें। अपना 'शाश्वत' क्रोध घटायें और अपने समकालीन नेताओं से छोटी-छोटी बातों को लेकर कटुताएं न पैदा किया करें। अन्यथा कहीं ऐसा न हो कि उनके प्रधानमंत्री बनने का अवसर आये तो ये कटुताएं उनके रास्ते की बाधा बन जायें। इस पर उनका उत्तर था, 'दिनकर, तुम समझते हो कि बहुत दिन जीने वाला हूं मैं? मेरी आयु बहुत कम है, इसलिए जब भी जो भी बोलता हूं, उसे बोल लेने दो मुझे।' अब मुझे लगता है कि उन्होंने अपनी मौत को पहले ही देख लिया था। आज की तारीख में कम ही लोग जानते होंगे कि डॉ. लोहिया और 'दिनकर' परस्पर अभिन्न मित्र थे। इस तथ्य के बावजूद कि राजनीति में उनकी सक्रियताएं परस्पर विरोधी थीं। निधन के वक्त लोहिया महज 57 साल के थे और उनका संसदीय जीवन भी लम्बा नहीं रहा था। इसका एक बड़ा कारण उनका चुनावी जीत-हार को बहुत महत्व न देना, 1962 से पहले कोई लोकसभा चुनाव न लड़ना और 1962 में भी फूलपुर जाकर लगभग असम्भव मुकाबले में सीधे तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से भिड़ जाना था। उनके अनुसार लोकतंत्र में चुनाव अपनी पार्टी की नीतियों को मतदाताओं तक ले जाने के अवसर होते हैं और आते-जाते रहते हैं। इसलिए मतदाताओं द्वारा उनमें सुनाये गये फैसलों को लेकर हाय-तौबा का कोई हासिल नहीं होता। ऐसे किसी हासिल के लिए तो शिकस्त के दिन से ही अगले मुकाबले की तैयारी में लग जाना होता है। उन्होंने लगभग यही बात 1962 के लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी की करारी हार के बाद नैनीताल में उसके कार्यकर्ताओं को निराशा के कर्तव्य समझाते हुए भी कही थी। बाद में इन्हीं कार्यकर्ताओं (जो कह रहे थे कि

तत्कालीन परिस्थितियों में लोहिया का लोकसभा में होना बहुत जरूरी है) की मांग पर वे उत्तर प्रदेश की फर्रुखाबाद लोकसभा सीट का उपचुनाव (जो वहां से निर्वाचित कांग्रेस सांसद मूलचंद दूबे के निधन के कारण हुआ था) लड़े और जीते थे। नये परिसीमन के फलस्वरूप अलग कन्नौज लोकसभा सीट अस्तित्व में आई तो 1967 के लोकसभा चुनाव में वे उस सीट से भी चुनाव लड़े और विजयी हुए थे। थोड़े ही दिनों बाद वे इस दुनिया को अलविदा कह गए। इस तरह वे दो कार्यकालों में कुल मिलाकर मुश्किल से एक कार्यकाल की अवधि के बराबर ही लोकसभा में रहे, लेकिन उसकी कार्यवाहियों और बहसों में अपनी अनूठी हिस्सेदारी से यह सिद्ध कर गये कि छोटी होने के बावजूद उसमें उनकी उपस्थिति महनीय है। लोकसभा में दिये गये उनके अन्य सारे भाषण भुला दिये जायें तो अकेला 'तीन आने बनाम पन्द्रह आने' वाला ऐतिहासिक भाषण ही उन्हें अप्रासंगिक नहीं होने देगा और उनकी याद दिलाता रहेगा। उन्होंने यह भाषण आचार्य जेबी कृपलानी द्वारा 22 अगस्त, 1963 को जवाहरलाल नेहरू की सरकार के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में दिया था। यह प्रस्ताव आजादी के बाद किसी भी सरकार के खिलाफ पहला अविश्वास प्रस्ताव था, जिसकी हिमायत में लोहिया ने कहा था कि 27 करोड़ (उस वक्त की देश की जनसंख्या के लगभग 70 प्रतिशत) देशवासी तीन आने (20 नये पैसे) रोज के खर्च पर जीवन निर्वाह को अभिशप्त हैं। सत्ता पक्ष की ओर से इस 'तीन आने' को 'पन्द्रह आने' बताया गया तो लोहिया ने यह कहकर उसे चुप करा दिया कि अगर मेरी बात गलत निकलती है तो मैं इस सदन से निकल जाऊंगा और सत्तापक्ष गलत निकलता है तो प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को अपने पद पर नहीं रहना चाहिए। इसी भाषण में उन्होंने यह भी कहा था कि देश में महिलाएं, हरिजन, आदिवासी, पिछड़े, धार्मिक अल्पसंख्यक और शूद्र पांच बड़े वर्ग हैं, जिनकी आबादी कुल आबादी की नब्बे फीसदी है। इन्हें विशेष अवसर दिए बगैर तीन आने वाली स्थिति नहीं ही बदलने वाली। उनके इस भाषण को लोकसभा के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण बौद्धिक भाषणों में से एक माना जाता है। चुनाव तो वे 1962 के लोकसभा चुनाव में फूलपुर में जवाहरलाल नेहरू से भी हारे थे लेकिन उनकी उस हार में भी एक नैतिक चमक थी, जबकि कन्नौज सीट को लेकर हाईकोर्ट से मिली हार मतगणना में उन्हें मिली जीत की भी नैतिक चमक छीन लेने वाली थी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कर्मों से उपार्जित सुख

संकलित

दर्शन

संसार के सारे क्रियाकलाप, मानव-समाज में हो रही गति, यह सब केवल मन का ही खेल है। मनुष्य की इच्छा शक्ति का प्रकाश मात्र है। अनेक प्रकार के यंत्र, युद्धपोत आदि सभी मनुष्य की इच्छा शक्ति के विकास मात्र हैं। मनुष्य की यह इच्छाशक्ति चरित्र से उत्पन्न होती है और वह चरित्र कर्मों से गठित होता है। अतएव कर्म जैसा होगा, इच्छाशक्ति का विकास भी वैसा ही होगा। संसार में प्रबल इच्छा शक्ति संपन्न जितने महापुरुष हुए हैं, वे सभी उत्कृष्ट कर्मी थे। उनकी इच्छाशक्ति ऐसी थी कि वे संसार को भी उलट-पुलट कर सकते थे। यह शक्ति उन्हें युग-युगांतर तक निरंतर कर्म करते रहने से प्राप्त हुई थी। बुद्ध एवं ईसा मसीह में जैसी प्रबल इच्छाशक्ति थी, वह एक जन्म में प्राप्त नहीं की जा सकती और उसे हम आनुवंशिक शक्तिसंचार भी नहीं कह सकते, क्योंकि हमें ज्ञात है कि उनके पिता कौन थे। हम नहीं कह सकते कि उनके पिता के मुंह से मनुष्य जाति की भलाई के लिए शायद कभी एक शब्द भी निकला हो। जोसेफ (ईसा मसीह के पिता) के समान तो असंख्य बढ़ई आज भी हैं, बुद्ध के पिता के सदृश लाखों छोटे-छोटे राजा हो चुके हैं। अतः यदि वह बात केवल आनुवंशिक शक्तिसंचार के कारण हुई हो, तो इसका स्पष्टीकरण कैसे कर सकते हैं कि इस छोटे से राजा को, जिसकी आज्ञा का पालन शायद उसके स्वयं के नौकर भी नहीं करते थे। ऐसा एक सुंदर पुत्र-रत्न लाभ हुआ, जिसकी उपासना लगभग आधा संसार करता है?

जब झूठा आरोप लगे तो धैर्य न छोड़ें

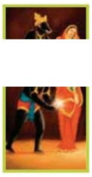

संकलित

प्रेरणा

द्वारका में एक सूर्य भक्त था सत्राजित। उसे सूर्य देव ने स्यमंतक नाम की चमत्कारी मणि दी थी। ये मणि रोज बीस तोला सोना उगलती थी। एक दिन श्रीकृष्ण ने सत्राजित से कहा कि आप ये मणि राजकोष में देंगे तो इससे मिले धन से प्रजा की अच्छी देखभाल हो सकेगी। सत्राजित ने श्रीकृष्ण को मणि देने से मना कर दिया। इस घटना के कुछ दिन बाद सत्राजित के भाई प्रसेनजित ने मणि चुरा ली। प्रसेनजित मणि लेकर जंगल में भाग गया। जंगल में एक शेर ने प्रसेनजित को मार दिया और खा गया। मणि जंगल में ही गिर गई। सत्राजित को जब प्रसेनजित और अपनी मणि नहीं मिली तो उसने श्रीकृष्ण पर आरोप लगा दिया कि कृष्ण ने ही मेरी मणि चुराई है और मेरे भाई की हत्या कर दी है। श्रीकृष्ण पर चोरी और हत्या का कलंक लग गया। श्रीकृष्ण आरोप को गलत साबित करने के लिए जंगल की ओर चल दिए। जंगल में श्रीकृष्ण को शेर के पैरों के निशान दिखे।श्रीकृष्ण समझ गए कि प्रसेनजित को शेर ने मार दिया है और मणि यहीं कहीं गिर गई है। श्रीकृष्ण मणि खोजते हुए एक गुफा में पहुंच गए। गुफा में जामवंत रहते थे। श्रीकृष्ण ने मणि मांगी तो जामवंत ने नहीं दी। इसके बाद दोनों का युद्ध हुआ। युद्ध में श्रीकृष्ण जीत गए। इसके बाद जामवंत ने मणि श्रीकृष्ण को दे दी और अपनी पुत्री जामवंती का विवाह भी भगवान के साथ कर दिया। द्वारका लौटकर श्रीकृष्ण ने वह मणि जामवंत से लेकर सत्राजित को दे दी और पूरी सच्चाई बता दी।

अंतर्मन

आज की पाती

बहुत जरूरी है मानसिक स्वास्थ्य

दस अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस दिन बहुत से देशों में सरकारी और विभिन्न सामजिक संगठन लोगों को मानसिक तनाव से बचने के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। हर व्यक्ति का शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य होना भी जरूरी है, तभी हम जिंदगी के मजे ले सकते हैं। हमारे देश में आज शारीरिक अस्वस्थ लोगों का आंकड़ा ही नहीं बढ़ रहा है, बल्कि मानसिक रोगी भी बढ़ रहे हैं। मानसिक रोगी होने के मुख्य कारण कई गिनवाए जा सकते हैं। संभावना है कि बहुत ही कम गरीब ऐसे होंगे जो मानसिक स्वास्थ्य संकट के दायरे में आए होंगे। मानसिक स्वास्थ्य खराब होने के आंकड़े बढ़ने के कारण ही तो देश में आत्महत्या के केस बढ़ते जा रहे हैं। - पूजा नरवाल, सोनीपत

करंट अफेयर

ब्रिटेन में मोदी की '25 साल की जन सेवा' का जश्न मना

ब्रिटेन में प्रवासी भारतीयों के विभिन्न संगठनों का एक समूह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्वाचित पद पर 'जनसेवा के 25 वर्ष' के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार को 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' परिसर में हुई। इसकी मेजबानी लॉर्ड रामी रेंजर ने सरदार पटेल मेमोरियल सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में की। कार्यक्रम में असमिया और ओडिसी के पारंपरिक नृत्य, वायलिन वादन और औपचारिक रूप से केक काटने के आयोजन के जरिए भारत की सांस्कृतिक विविधता भी प्रदर्शित की गई। आयोजकों ने एक बयान में कहा, 'इन समारोहों के केंद्र में भारत का शाश्वत दर्शन 'वसुधैव कुटुंबकम' है, जिसका अर्थ है कि पूरी दुनिया एक परिवार है। यह मार्गदर्शक सिद्धांत समावेशिता, शांति, साहस, खुशी, समृद्धि और नई शुरुआत जैसे सार्वभौमिक मूल्यों को दर्शाता है।' उन्होंने कहा, ''इस महत्वपूर्ण पड़ाव का जश्न मनाते हुए इन आयोजनों को गैर-राजनीतिक रखा गया है। इनमें सार्वजनिक सेवा, समावेशिता, शांति, साहस, खुशी, समृद्धि और सभी भारतीयों की सफलता जैसे सार्वभौमिक मूल्यों पर विशेष जोर दिया गया है।' इस बीच, ब्रिटिश भारतीय समुदाय ने 17 अक्टूबर को पश्चिमी लंदन के रुइस्लिप में एक सामुदायिक समारोह आयोजित करने की योजना की घोषणा की है।

ऑफ बीट

क्या माउथवॉश हृदय के लिए हानिकारक होता है

सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो में दावा किया गया है कि माउथवॉश से उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ सकता है और हृदय की सेहत को नुकसान हो सकता है। कुछ वीडियो के अनुसार, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि माउथवॉश मुंह के उन "अच्छे" बैक्टीरिया को खत्म कर देता है, जो हृदय और रक्त-प्रणाली के लिए जरूरी होते हैं। यह सुनने में चौंकाने वाला लग सकता है लेकिन आपको अभी अपना माउथवॉश फेंकने की जरूरत नहीं है। सच्चाई इससे कहीं ज्यादा जटिल है। हमारे मुंह में कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं। ये सभी मिलकर एक संतुलित और विविध प्रकार के 'माइक्रोबायोम' बनाते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया की बढ़त को रोकते हैं, सामान्य 'मेटाबॉलिज्म' में मदद करते हैं और मुंह व शरीर की कुल सेहत को बेहतर बनाते हैं। इन बैक्टीरिया का एक अहम काम है हमारे भोजन (खासकर हरी पत्तेदार सब्जियों) में मौजूद नाइट्रेट को नाइट्राइट में बदलना। जब हम नाइट्राइट निगलते हैं, तो शरीर इसे नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल देता है। यह प्रक्रिया नाइट्रेट-नाइट्राइट-नाइट्रिक ऑक्साइड प्रक्रिया (या एंटरोसैलिवरी प्रक्रिया) कहलाती है। यह एक उदाहरण है कि बैक्टीरिया कैसे शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

ट्रेंड

दैवीय शक्ति की उपासना

दैवीय शक्ति की उपासना को समर्पित नवरात्रि पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। माँ जगदम्बा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य का संचार हो, तथा राष्ट्रीय एकता और प्रगति का संकल्प और सुदृढ़ हो।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जनता की आवाज़

'मोगैंबो मोदी' ने चुनाव में धांधली करके और जनता की आवाज को दबाकर भारत के लोकतंत्र की नींव को बर्बाद कर दिया है। वे चाहे कितना भी डराने-धमकाने की कोशिश कर लें-मोदी यह समझ नहीं पा रहे हैं कि उनका खेल, जो पिछले 10-15 सालों से चल रहा था, अब खत्म हो चुका है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

सपनों की उड़ान

हरियाणा की बेटी अर्शिया गोस्वामी ने साबित कर दिखाया है कि सपनों की उड़ान उम्र की मोहताज नहीं होती! धाकड़ बेटी ने 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में सबसे कम उम्र की डेडलिफ्टर के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

- नायब सैनी, सीएम, हरियाणा

विपक्ष का दबाव

जब विपक्ष का दबाव बहुत ज्यादा बढ़ा, तो रातों-रात सारी व्यवस्थाएँ हटा दी गईं। यह सरकार किसी मटके की तरह लुढ़कती रहती है, एक किनारे से दूसरे किनारे, कभी यहां, तो कभी वहां।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

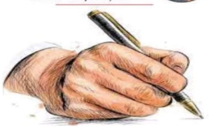

खबर संक्षेप

रियासी में 4 संदिग्ध दिखे, तलाश जारी

रियासी। रियासी जिले के रड्डु पुल क्षेत्र में तीन से चार संदिग्धों को देखे जाने की सूचना के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। शुक्रवार रात शुरू हुआ अभियान शनिवार को भी जारी रहा। इस दौरान रड्डु पुल के साथ लगते धरान और ठाकरा कोट क्षेत्र के जंगलों को भी खंगाला गया, लेकिन कोई संदिग्ध हाथ नहीं लगा।

सुपरमार्केट में छत गिरने से 38 लोग घायल

दाएगू। दक्षिण कोरिया के दाएगू शहर के एक सुपरमार्केट की प्लास्टर वाली छत का कुछ हिस्सा गिर गया। हादसे में कम से कम 38 लोगों को मामूली चोटें आईं। छत गिरने की घटना सुबह 10:16 बजे हुई। इसके बाद 66 अन्य लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। हादसे के बाद नौ लोगों का अस्पतालों में इलाज किया गया।

गुजरात पुलिस में पूर्व अग्निवीरों की सीधी एंट्री

अहमदाबाद। राज्य सरकार ने गुजरात में पुलिस विभाग में भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों को बड़ी राहत दी है। गृह विभाग द्वारा जारी संशोधित नियमों के अनुसार अब पुलिस विभाग के निर्दिष्ट वर्दीधारी पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया में पूर्व अग्निवीरों को लिखित परीक्षा से भी छूट मिलेगी। इस तरह सरकार ने अब फिजिकल और लिखित परीक्षाओं में छूट दी है।

मन्नार की खाड़ी में बना डिप्रेशन, 21 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। मानसून की विदाई के बाद भी देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बिगड़ सकता है। रविवार को दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश तक बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। विभाग ने कुछ इलाकों में आंधी का भी अनुमान जताया है।

पीएम ने महिला और बाल विकास पर राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की

महिलाओं और बच्चों की देखभाल, सुरक्षा और सशक्तीकरण पर दिया जोर, 'चिंतन शिविर' लगाकर समग्र विकास पर ध्यान दें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की।

खास बातें

- विवि आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले सकते हैं और अध्ययन कर सकते हैं
- महिला सुरक्षा पर विभागों को ऐहतियाती उपायों पर बल दिया

आंगनवाड़ियों को सामुदायिक भागीदारी का केंद्र बनाने का आह्वान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की। विभागीय शिखर सम्मेलनों की श्रृंखला का हिस्सा रहे इस सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। इसमें पोषण और बचपन की देखभाल, बच्चों की सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण तथा बेहतर तालमेल के माध्यम से सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री ने गहन चर्चा की सराहना की और केंद्र तथा राज्यों के बीच मिलकर फ़ैसले लेने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि राज्य ज़िला स्तर और नगर पालिका व महानगर पालिका स्तर पर इसी तरह के 'चिंतन शिविर' आयोजित करके इस मॉडल को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए भी विशेष 'चिंतन शिविर' आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि वे अनुभव, विचार और व्यावहारिक समाधान एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें।

बच्चों को हर हाल में प्रोत्साहित करें

प्रधानमंत्री ने 'जन भागीदारी' पर जोर देते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र को अलग-थलग संस्थान के रूप में काम नहीं करना चाहिए, इसे सामुदायिक भागीदारी का केंद्र बनना चाहिए। परिवारों को भी विशेष अवसरों पर बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन, खिलौने और स्थानीय स्तर पर उपयोगी चीज़ें देकर प्रोत्साहित करें।

विवि आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ जुड़ें

प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ और अधिक जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आस-पास के आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले सकते हैं और सामाजिक प्रभाव से जुड़े अध्ययन कर सकते हैं। श्री मोदी ने कहा कि इससे छात्रों को योगदान देने का मौका मिलेगा और सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी जानकारी भी मिलेगी।

युवा ही 'विकसित भारत' का निर्माण करेंगे

प्रधानमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के बारे में बच्चों के लिए उम्र के हिसाब से उपयुक्त मॉड्यूल तैयार करने का सुझाव दिया। मोदी ने अलग-अलग विभागों के प्रयासों को मिलाकर रोकथाम के उपायों पर भी ज़ोर दिया।प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि मंत्रालय और राज्यों से जुड़ी ज़िम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आज आंगनवाड़ी केंद्रों में पल-बढ़ रहे बच्चे ही आगे चलकर युवा और नागरिक बनेंगे जो 'विकसित भारत' का निर्माण करेंगे।

'स्वच्छता अभियान' को सक्रिय बनाएं

प्रधानमंत्री ने साफ़-सफ़ाई, स्वास्थ्य और पोषण के बीच गहरे संबंध का उल्लेख करते हुए देश भर के महिला एवं बाल विकास विभागों से 'स्वच्छता अभियान' की सक्रिय रूप से जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अच्छा स्वास्थ्य और पोषण साफ़-सफ़ाई से ही शुरू होता है और आंगनवाड़ी केंद्र तथा आस-पास स्वच्छता जरूरी है।

'वोकल फ़ॉर लोकल' को बढ़ावा दें

प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए 'वोकल फ़ॉर लोकल' यानी स्थानीय के लिए मुखर और 'एक ज़िला एक उत्पाद' जैसे राष्ट्रीय आंदोलनों को बढ़ावा दें। महिलाओं के समूह और सामुदायिक संस्थाएं स्थानीय उत्पादों, आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भागीदार बन सकती हैं।

मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की 13 हजार करोड़ की परियोजना की देंगे सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को चेन्नई के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम 13,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजना लॉन्च करेंगे। इसमें नया मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे अहम काम शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि पीएम मोदी पूरी हो चुकी सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे, परियोजनाओं को देश को समर्पित करेंगे और नए कामों की आधारशिला रखेंगे। इसमें मेट्रो रेल, हाईवे, रेलवे, पोर्ट, पेट्रोलियम और शिक्षा से जुड़े काम शामिल हैं।

पीएम मोदी का तमिलनाडु दौरा आज

कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे

कामराजार पोर्ट पर, पीएम मोदी कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे। वह मनाली रिफाइनरी में सीपीसीएल के 1,620 करोड़ रुपए के लुब्रिकेंट बेस स्टॉक परियोजना की आधारशिला रखेंगे, जिसकी सालाना क्षमता 270,000 टन होगी।

पोरुर बाइपास से पूनामल्ली बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे

प्रमुख परियोजना में चेन्नई मेट्रो के फेज दो का 4,900 करोड़ का पूनामल्ली-वडापलानी रूट शामिल है। 3.7 किमी लंबे डबल-डेकर स्ट्रक्चर और ड्राइवरलेस ऑपरेशन के लिए डिजाइन किए गए सिग्नलिंग सिस्टम वाले इस कॉरिडोर से पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्र के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। पीएम मोदी सुबह 11.30 बजे पोरुर बाइपास से पूनामल्ली बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे। वे जलकंडेश्वर मंदिर जाएंगे और आईआईटी मद्रास में ब्रेन सेंटर का दौरा करेंगे।

'तरंग शक्ति' में सारंग टीम ने दिखाए करतब

प्रतिभागियों से मिलते (इनसेट में) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

भविष्य के रक्षा संबंधों का आधार आपसी भरोसा

जयपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को वायुसेना केंद्र में 'अभ्यास तरंग शक्ति 2026' के दूसरे संस्करण के प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देश, अलग-अलग विमान, अलग-अलग अनुभव, लेकिन एक ही आसमान। यही 'तरंग शक्ति' का संदेश है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा 26 सितंबर से 12 अक्टूबर 2026 के दौरान आयोजित इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में सात मित्र देशों (एफएफसी) - ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेनाओं के साथ-साथ 32 प्रेक्षक देश भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भविष्य के रक्षा संबंधों का आधार आपसी भरोसा ही होगा।

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

मैं रागनी कुशवाहा (RAGANI KUSHWAHA) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी दीपक कुशवाहा गाँव/शहर केवरा तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम रागनी कुशवाहा (RAGANI KUSHWAHA) (पुराना नाम) से बदल कर रागिनी (RAGINI) (नया नाम) रख लिया है।

मैं दीपक कुशवाहा (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री धनेश्वर कुशवाहा तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम रागनी कुशवाहा (RAGANI KUSHWAHA) (पुराना नाम) से बदल कर रागिनी (RAGINI) (नया नाम) रख लिया है।

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

मैं सुर्या कुमारी पैकरा (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/ सुपुत्री/पत्नी संतोष पैकरा गाँव/शहर महुली तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम सुर्या कुमारी पैकरा (पुराना नाम) से बदलकर प्रीति पैकरा (PREETI PAIKRA (नया नाम रख लिया है) मै संतोष पैकरा ...माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री सोभन राम गांव/शहर महुली तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम सूर्या कुमारी पैकरा (पुराना नाम) से बदलक प्रीति पैकरा (PREETI PAIKRA नया नाम) रख लिया है।

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

मैं मंजू कुमारी (MANJU KUMARI (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी महादेव गाँव/शहर कुरीर्डीह तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम मंजू कुमारी (पुराना नाम) से बदल कर मंजू सिंह (MANJU SINGH) (नया नाम) रख लिया है।मैं महादेव (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री शिव बालक गाँव/शहर कुरीर्डीह तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम मंजू कुमारी (पुराना नाम) से बदल कर मंजू सिंह (MANJU SINGH) (नया नाम) रख लिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 13 अक्टूबर 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं हरिलाल (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र /सुपुत्री/पत्नी कुदरू राम, शहर / गाँव-कुकुरनुका, तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम हरिलाल (पुराना नाम) से बदल कर हरिलाल खूँटे (नया नाम) रख लिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 13 अक्टूबर 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं अमरदीप पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री/पत्नी अमृता खुंटे गाँव/शहर कुकुरभुका पत्थलगाँव तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम अमरदीप (पुराना नाम) से बदल कर अमरदीप खुंटे (नया नाम) रख लिया है।

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं अमृता खुंटे (माता/ पिता/पत्नि/पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री हरिलाल, गाँव / शहर कुकुरनुका, पत्थलगॉव तहसील-पत्थगाँव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र /सुपुत्री का नाम अमरदीप (पुराना नाम) से बदल कर अमरदीप खुटे (नया नाम) रख लिया है।

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

मैं आदित्य बसोर (ADITYA. BASOR) पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी मोती लाल गाँव/शहर बसकरपारा तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम आदित्य बसोर (पुराना नाम) से बदल कर आदित्यनाथ (ADITYANATH) (नया नाम) रख लिया है।मैं मोती लाल (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री हरि प्रसाद गाँव/शहर बसकरपारा तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम आदित्य बसोर (पुराना नाम) से बदलकर आदित्यानाथ नया नाम रख लिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 13 अक्टूबर 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं अभिलाष पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी अमृता खुंटे गाँव/शहर कुकुरमुका पत्थलगाँव तहसील-पत्थगाँव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम अभिलाष (पुराना नाम) से बदल कर अभिलाष खुंटे (नया नाम) रख लिया है।

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं अमृता खुंटे (माता/ पिता/ पत्नि/पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री हरिलाल, गाँव / शहर कुकुरभुका, पत्थलगाँव तहसील-पत्थगाँव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम अभिलाष (पुराना नाम) से बदल कर अभिलाष खुंटे (नया नाम) रख लिया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका उर्मिला देवी आ०/पति रामरतन अग्रवाल जाति निवासी मायापुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-कौवाडांड़, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1512/2. 1513/2 रकबा 1089, 1742.40 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक-21.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-06.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका उर्मिला देवी आ०/पति रामरतन अग्रवाल जाति निवासी मायापुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०म० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-कौवाडांड़, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1512/2. 1513/2 रकबा 1089, 1742.40 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक-21.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-06.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनोरमा बौरी पति कृष्णा कुमार बौरी निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1792/3 रकबा 0.011 हे0 भूमि को अनावेदक श्याम सुन्दर जायसवाल पिता निरंजन जायसवाल निवासी ग्राम बरियो जिला बलरामपुर छ0ग0 के पास बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26.10.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-05/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.

ब/121 वर्ष

ग्राम -प.ह.न. 15

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजो सिह पति स्वःराजू सिंह जाति गोंड निवासी ग्राम मसिरा प.ह.न 15 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पति स्व.राजू सिहं का मृत्यु दिनांक 08-01-2025 को ग्राम मसिरा में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पति स्व. राजू सिंह का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत मसिरा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 26/11/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 09/10/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथानजिला - सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मंजू देवी पति बच्चू तिवारी निवासी उत्तरी रिंग रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2129/10 रकबा 0. 016 हे0 भूमि को अनावेदक दुर्गेश गुप्ता आ. राजेन्द्र कुमार गुप्ता व अन्य निवासी ठनगनपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग० के पास अंकन राशि रुपए 11,70,000/-में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26.10. 2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-05/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

गांव के मैदान से अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचेंगे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी, सीएम ने किया खेल उत्कर्ष मिशन का रोडमैप तैयार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को गांव के मैदान से अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए बड़ा कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि हमारा लक्ष्य गांव, जनजातीय और दूरस्थ अंचलों की छिपी प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें विश्वस्तरीय बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव और संजू देवी जैसी बेटियों ने साबित किया है कि छत्तीसगढ़ में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत है सही समय पर पहचान और सही प्रशिक्षण की।

फीडर सेंटर से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तक बनेगा सिस्टम

बैठक में मिशन के तहत एक मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने पर चर्चा हुई।फीडर सेंटरः गांव-शहर में प्रतिभा की पहचान और प्रारंभिक प्रशिक्षणहाई परफॉर्मेंस सेंटरः बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को एडवांस ट्रेनिंगसेंटर ऑफ एक्सीलेंसः राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारीप्राथमिकता वाले खेलों में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, हॉकी, मुक्केबाजी, कुश्ती, भारोत्तोलन, तैराकी, बैडमिंटन, जूडो और कबड्डी शामिल हैं। बिलासपुर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर की क्षमता 165 से बढ़ाकर 300 करने की योजना है।

स्कूल से ही शुरू होगी प्रतिभा की खोज

सीएम ने स्कूल स्तर से खेल संस्कृति मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में व्यायाम शिक्षकों के माध्यम से नियमित खेल गतिविधियां हों, ताकि बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक खेलों में सिर्फ मैदान नहीं, स्पोर्ट्स साइंस भी जरूरी है। खिलाड़ियों के लिए पोषण, स्वास्थ्य परीक्षण, मनोवैज्ञानिक सहयोग, चोटों से बचाव और पुनर्वास की सुविधाएं दी जाएंगी। विशेषज्ञ कोचों की नियुक्ति खेलवार संभावनाओं के आधार पर होगी।

टैलेंट हंट और मुख्यमंत्री ट्रॉफी से मिलेगा मंच

प्रतिभाओं को निखारने के लिए विकासखंड, जिला और राज्य स्तर पर टैलेंट हंट और मुख्यमंत्री ट्रॉफी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इससे दूरस्थ क्षेत्रों के खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। महिला खिलाड़ियों और दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर, सुरक्षित वातावरण और पैरा स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

पांच साल का रोडमैप तैयार

मुख्यमंत्री ने अगले पांच वर्षों के लिए स्पष्ट और परिणामोन्मुख कार्ययोजना बनाने और सभी विभागों - स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, नगरीय प्रशासन में समन्वय के निर्देश दिए।बैठक में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, मुख्य सचिव विकासशील, खेल सचिव यशवंत कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शोधग्रंथ पर्यावरण संरक्षण और अकादमिक उत्कृष्टता का उत्कृष्ट संगम - उच्च शिक्षा मंत्री वर्मा

पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत शासकीय राजीव लोचन स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजिम (जिला-गरियाबंद) के प्राध्यापकों द्वारा संपादित ज्ञानवर्धक एवं शोधपरक पुस्तक एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट का आज राजस्व और उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने विमोचन किया। श्रीवर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और अकादमिक उत्कृष्टता का उत्कृष्ट संगम आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है।इसका सीधा मतलब एक ऐसी शिक्षा प्रणाली से है जो न केवल छात्रों को मानसिक और बौद्धिक रूप से मजबूत बनाती है, बल्कि उन्हें प्रकृति के प्रति जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बनाती है। इस महत्वपूर्ण ग्रंथ का कुशल संपादन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समीक्षा चंद्राकर, रसायन शास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. देवेन्द्र कुमार तथा वनस्पति शास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. सर्वेश कौशिक पटेल के संयुक्त मार्गदर्शन व अथक प्रयासों से किया गया है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने पुस्तक के सफल संपादन एवं विमोचन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संपादक मंडल को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मंत्री वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा क्षेत्र में शोध, मौलिक लेखन और पर्यावरण जैसे वैश्विक विषय पर चिंतन-मनन अत्यंत सराहनीय है। एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट पुस्तक न केवल विद्यार्थियों और शोधार्थियों का मार्गदर्शन करेगी, बल्कि सतत विकास के प्रति जन- जागरूकता फैलाने में भी मील का पत्थर साबित होगी। महाविद्यालयीन प्राध्यापकों द्वारा अकादमिक क्षेत्र में किया गया यह नवोन्मेषी प्रयास पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।मैं संपूर्ण संपादक मंडल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और पर्यावरण असंतुलन की चुनौतियों के बीच यह पुस्तक सतत विकास और पर्यावरण प्रबंधन के विभिन्न वैज्ञानिक व सामाजिक आयामों को रेखांकित करती है। पुस्तक में प्रस्तुत शोध-पत्र और नीतियां शोधार्थियों, उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों एवं विषय विशेषज्ञों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होंगी।

शिक्षकों का समर्पण प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को बना रहा सशक्त- शिक्षा मंत्री

दुर्ग एवं बेमेतरा जिले के उत्कृष्ट शिक्षकों का किया गया सम्मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि शिक्षकों के समर्पण और राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था लगातार सशक्त हो रही है। शिक्षकों के समर्पण और राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था लगातार सशक्त हो रही है। दुर्ग जिले के खालसा पब्लिक स्कूल में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह 2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण के अंतर्गत दुर्ग और बेमेतरा जिले के उत्कृष्ट शिक्षकों, प्राचार्यों और प्रधान पाठकों को सम्मानित किया। शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि शिक्षकों का समर्पण, मेहनत और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान और संस्कार का संचार कर रही है, जिससे प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और अधिक सशक्त हो रही है। उन्होंने शिक्षा श्री, शिक्षा दूत, ज्ञानदीप, उत्कृष्ट प्राचार्य तथा उत्कृष्ट प्रधान पाठक का सम्मान प्राप्त करने वाले सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उत्कृष्ट और समर्पित शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है, जिससे शिक्षा जगत को प्रोत्साहन मिलता है। शिक्षा मंत्री यादव ने बच्चों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षित और संस्कारवान बनाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सम्मानित शिक्षकों द्वारा किया गया कार्य अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। इस गरिमामयी समारोह के दौरान संभाग आयुक्त एन. के. राठौड़ सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पीएमजीएसवाई की बदहाल सड़कों पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े सख्त

गारंटी अवधि में शामिल सड़कों का निरीक्षण कर शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। सूरजपुर जिला के भटगांव विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत निर्मित सड़कों की खराब स्थिति को लेकर मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कड़ा रुख अपनाया है। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सड़कों की बदहाली से आवागमन में हो रही परेशानी की जानकारी दी थी। इस पर संज्ञान लेते हुए मंत्री ने कलेक्टर, सूरजपुर को पत्र लिखकर संबंधित सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने पत्र में उल्लेख किया है कि नई बनी सड़कों की खराब हालत के कारण ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विभाग की ओर से प्रस्तुत सूची में शामिल सड़कों का निरीक्षण कर उनकी वास्तविक स्थिति का आकलन करने को कहा है। साथ ही, गारंटी अवधि के अंतर्गत आने वाली सड़कों की मरम्मत संबंधित ठेकेदारों से अनुबंध की शर्तों के अनुसार कराने के निर्देश दिए हैं। श्रीमती राजवाड़े ने मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू कराने और उसकी गुणवत्ता पर निगरानी रखने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि कार्य में देरी या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर को की गई कार्रवाई से अवगत कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी सड़कों की उपलब्धता लोगों के रोजमर्रा के आवागमन और जरूरी सेवाओं तक पहुंच के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी योजनाओं के तहत किए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और रखरखाव में जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। सड़कों की मरम्मत में लापरवाही को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

डिप्टी सीएम शर्मा ने बोड़ला में 60 लाख के कार्यों का किया भूमिपूजन, 40 लाख की घोषणा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के बोड़ला में 60 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। साथ ही क्षेत्र के विकास के लिए 40 लाख रुपये के नए कार्यों की घोषणा भी की। भूमिपूजन के तहत एसडीएम कार्यालय, बोड़ला में 30 लाख रुपये की लागत से सभा कक्ष सह सामुदायिक शौचालय का निर्माण होगा, जिससे प्रशासनिक कार्यों और आम जनता की सुविधाओं में सुधार होगा। वहीं शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में 30 लाख रुपये की लागत से अतिरिक्त कक्ष का निर्माण किया जाएगा, जिससे उच्च शिक्षा की अधोसंरचना मजबूत होगी।

40 लाख के नए विकास कार्यों की घोषणा

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने 40 लाख रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की, जिसमें शामिल हैंःमहाविद्यालय में बाउंड्रीवॉल निर्माण - 15 लाख रुपयेबालिका शौचालय निर्माण - 4.60 लाख रुपयेग्राम भीरा में मंगल भवन निर्माण - 10 लाख रुपयेसीसी रोड निर्माण - 10.40 लाख रुपयेउन्होंने महाविद्यालय में स्मार्ट बोर्ड, इंटरनेट और एआई आधारित तकनीक उपलब्ध कराने की भी बात कही। छात्रों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री शर्मा ने आधुनिक शिक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चैटजीपीटी, जेमिनी, ग्रोक और प्रीप्लेसएग्जीटी जैसे एआई टूल्स का उपयोग पढ़ाई और रचनात्मकता बढ़ाने में करना चाहिए, लेकिन अपने संस्कार और मूल्यों को भी बनाए रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के 85 स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड लगाने की योजना है, जिसमें से 50 स्कूलों में बोर्ड लग चुके हैं और शेष 35 में जल्द लगेंगे। इससे विज्ञान, गणित, भौतिकी जैसे कठिन विषयों को वीडियो के माध्यम से आसानी से समझाया जा सकेगा। साथ ही एनडीए, सीजीपीएससी, यूपीएससी, एसएससी और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा विकसित करने पर भी काम चल रहा है। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष बालका रामकिंकर वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

होटल बुकिंग के नाम पर बड़ा फ्रॉड, फर्जी वेबसाइट बनाकर युवती के खाते से उड़ाए 90,249 रुपये

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

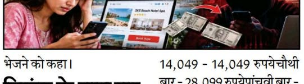

रायपुर। ऑनलाइन होटल बुकिंग के नाम पर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। गूगल पर फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगों ने रायपुर की एक युवती से 90,249 रुपये ठग लिए। मामला गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार सदर रोड निवासी तोषिबा सिन्हा 12वीं के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हैं। 7 अक्टूबर को उन्होंने जगन्नाथ पुरी यात्रा के लिए होटल बुक करने के लिए गूगल पर सर्च किया। उन्हें 'एसकेएस बीच होटल स्पा' नाम की वेबसाइट मिली। वेबसाइट पर दिए नंबर पर व्हाट्सएप करने पर ठगों ने दो दिन का किराया 14 हजार रुपये बताया और 50% एडवांस के रूप में 7 हजार रुपये क्यूआर कोड पर भेजने को कहा।

रिफंड के नाम पर 6 बार ट्रांजेक्शन

युवती ने 7 हजार रुपये भेजे और रसीद मांगी। इसके बाद ठगों ने सिस्टम में तकनीकी खराबी का बहाना बनाया और कहा कि रिफंड के लिए दोबारा पेमेंट करना होगा। युवती को लगा कि पुरानी रकम वापस आ जाएगी, इसलिए वह झांसे में आती गई। ठगों ने कभी सर्वर फेल तो कभी एरर का बहाना बनाकर उससे अलग-अलग किस्तों में रकम ट्रांसफर कराईःपहली बार - 7,049 रुपयेदूसरी और तीसरी बार - 14,049 - 14,049 रुपयेचौथी बार - 28,099 रुपयेपांचवी बार - 19,999 रुपये, इस तरह कुल 90,249 रुपये ठग लिए गए। पैसा कटने के बाद न बुकिंग हुई और न ही रिफंड मिला। संपर्क करने पर मोबाइल नंबर बंद मिला।

पीड़िता की शिकायत पर गोबरा नवापारा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस साइबर सेल की मदद से क्यूआर कोड और मोबाइल नंबर के आधार पर ठगों की तलाश कर रही है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का सिर्फ खानापूर्ति नहीं, भौतिक सत्यापन कर हो समाधान - मुख्य सचिव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण को लेकर मुख्य सचिव विकासशील ने कड़ा रुख अपनाया है। आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित राज्य स्तरीय उच्चाधिकारियों की समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निराकरण गंभीरता और जवाबदेही के साथ किया जाए। मुख्य सचिव ने बताया कि अब तक सीएम हेल्पलाइन में लगभग 2 लाख शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि हर शिकायत की गंभीरता से समीक्षा हो और जहां जरूरत हो वहां समस्याओं का भौतिक सत्यापन कराया जाए। उन्होंने कहा कि निराकरण केवल कागजों और औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि नागरिकों को वास्तविक समाधान मिले।

धान खरीदी और जल जीवन मिशन की समीक्षा

बैठक में आगामी धान खरीदी नीति को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को नीति के सभी बिंदुओं को समय पर अंतिम रूप देने और कमियों को दूर करने को कहा। साथ ही जल जीवन मिशन की प्रगति और शेष कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। जल उपयोगिता और जल संरक्षण से जुड़े विषयों पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

डिजिटल क्रॉप सर्वे, पारस पोर्टल और बुनियादी परियोजनाओं पर जोर

बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति, प्लानिंग एरिया में अनुमति, टीएसपी एक्ट के प्रावधानों पर भी समीक्षा की गई। पारस पोर्टल के एजेंडा बिंदुओं और आधारभूत संरचना परियोजनाओं को बिना विलंब के आगे बढ़ाने, अमृत 2.0, पेंशन और प्रशिक्षण से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को कर्मचारी चयन मंडल को भर्ती प्रस्ताव समय पर भेजने, सेवा सेतु और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के दायरे से बाहर रह गई सेवाओं को उसमें शामिल करने की संभावनाओं पर भी विचार करने को कहा।

नवा रायपुर में बॉटनिकल गार्डन और जंगल सफारी को मिलेगा नया स्वरूप

बैठक में नवा रायपुर में प्रस्तावित बॉटनिकल गार्डन के विकास पर विशेष चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने आधुनिक तकनीक, लैंडस्केपिंग, हरित क्षेत्र प्रबंधन और पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं के साथ एक सुनियोजित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। साथ ही जंगल सफारी के प्रबंधन और संचालन को और बेहतर बनाने पर जोर दिया।

बैठक में रहे मौजूद

बैठक में अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, प्रमुख सचिव मनीष कुमार ठाकुर, सोनमणि बोरा, सचिव पी. दयानंद, राहुल भगत, मुकेश कुमार, रजत कुमार, रीना बाबा साहेब कंगाले, डॉ. रोहित यादव, अंकित आनंद, शम्मी आबिदी सहित सभी प्रमुख विभागों के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

होटल कर्मी ने लगाई फांसी, मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगर सीमा से लगे ग्राम चंदरपुर स्थित एक होटल में काम करने वाले युवक ने होटल के रसोई में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। मृतक गोलू रामानुजनगर क्षेत्र के ग्राम सागरपुर का रहने वाला था जो यहां आदित्य होटल में रहकर काम करता था। घटना मंगलवार के अलसुबह की बताई गई है। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने पंचनामा पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराया है। ततपश्चात शव परिजनों को सौप दिया गया है।

मंगलवार को सुबह जब होटल के अन्य कर्मचारी पहुंचे तो उन्होंने रसोई घर में फांसी के फंदे पर लटका हुआ गोलू का शव देखा। जिसके बाद उन्होंने होटल संचालक को मामले की जानकारी दी और पुलिस को सूचना दी गई। इधर पुलिस के पहुंचने से पहले ही सह कर्मियों के द्वारा शव को नीचे उतार लिया गया था।जानकारी पर युवक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए. परिवार के लोगों के लिए यह घटना बेहद चौंकाने वाली रही। बताया गया है कि युवक मोबाइल से किसी से बात चीत किया करता था और घटना दिवस भी वह बात करने के बाद परेशान दिख रहा था। जानकारी लगने पर पुलिस ने मृतक युवक का मोबाइल जप्त किया है।

पुलिस के अनुसार पीएम रिपोर्ट और मोबाइल की जांच के बाद पूछताछ में युवक के आत्महत्या की असली वजह सामने आ सकेगी। फिलहाल मामले में मर्ग कायम किया गया है।

जरूरतमंदों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना शासन की प्राथमिकता : श्यामबिहारी

सेवा संकल्प अभियान से स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति, विभिन्न विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। रेड क्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में जिला चिकित्सालय परिसर में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विकास कार्यों का लोकापर्ण किया गया। जिसमें विकासखंड सूरजपुर अंतर्गत लगभग 75 लाख रूपये के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कमलपुर, विकासखंड भैयाथान अंतर्गत 75 लाख रूपये के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चन्द्रमेढ़ा का कार्य शामिल है। इस दौरान महिला बाल विकास विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, विधायक भूलन सिंह मरावी, रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन बाबूलाल अग्रवाल, वाइस चेयरमेन ओमकार पांडेय, जिपं अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा, जनपद अध्यक्ष श्रीमति स्वाति सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, अन्य अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य एवं वरिष्ठ नागरिकजन मौजूद रहे। इस दौरान अस्पताल परिसर में ही स्वास्थ्य मंत्री ने अमरूद के पौधे का रोपण किया अन्य अतिथियों ने भी पौधरोपण किया। नेचर क्लब और वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान भी किया गया। साथ ही टीबी मरीजों को पोषण आहार किट, निक्षय मित्र के रूप में टीबी मरीजों का सहयोग करने वालों का सम्मान, आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड और चश्मा वितरण, दिव्यांगजन को सहायक उपकरण वितरण किया गया। साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं शिशुओं का अन्नप्राशन भी कराया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज डॉक्टर आपके द्वार एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से चिकित्सक जरूरतमंद मरीजों के घर तक पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार हुआ है। किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है, महतारी वंदन योजना से लाखों महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। आवास, शौचालय, बिजली, शिक्षा, राशन, रसोई गैस एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं आम नागरिकों तक पहुंचाई जा रही हैं।

इस दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए विस्तार का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों की बढ़कर 22 हो गई है। चिकित्सा संस्थानों में सीटी स्कैन जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही मेडिकल कॉलेजों में लगभग 25 विभिन्न श्रेणियों के तकनीकी पदों पर भर्ती की पहल की जा रही है। उन्होंने जिला चिकित्सालय की अटल आरोग्य लैब में उपलब्ध 136 प्रकार की नि:शुल्क जांचों को मरीजों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बताते हुए इसे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मंत्री श्री जायसवाल ने आयुष्मान कार्ड निर्माण में जिले के प्रथम स्थान प्राप्त करने की सराहना करते हुए आगामी समय में स्वास्थ्य सुविधाओं के और विस्तार की बात कही। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान में नागरिकों की सहभागिता तथा नेचर क्लब के क्रियान्वयन की प्रशंसा करते हुए इसके संचालन में हरसंभव सहयोग का आह्वान भी किया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार आम नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर जरूरतमंदों तक उपचार की सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर आपके द्वार एम्बुलेंस सेवा से विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के मरीजों को लाभ मिलेगा। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए महिलाओं और बच्चों को समय पर जांच, उपचार एवं पोषण संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। साथ ही नागरिकों से शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेने और स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने स्थानीय मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए लटोरी में तत्काल सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की। साथ ही जिला चिकित्सालय में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने आगामी समय में 220 बिस्तरीय अस्पताल के लिए आवश्यक भवन एवं सेटअप उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। इन घोषणाओं से जिले में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूती मिलने के साथ मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

डॉक्टर आपके द्वार एम्बुलेंस का शुभारंभ

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं को आम नागरिकों के घर तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल , मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, अन्य जनप्रतिनिधियो ने डॉक्टर आपके द्वार एम्बुलेंस का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। इस पहल के माध्यम से विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के जरूरतमंद मरीजों को उनके घर के समीप स्वास्थ्य परामर्श एवं प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इससे स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करने वाले नागरिकों को राहत मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि शासन का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना तथा जरूरतमंदों तक समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाना है। डॉक्टर आपके द्वार एम्बुलेंस सेवा इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सीएम की घोषणा के बावजूद 33 दिनों के हड़ताल अवधि का नहीं मिला वेतन

एनएचएम संघ ने स्वास्थ्य मंत्री को सौपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एनएचएम कर्मचारी संघ ने सूरजपुर प्रवास पर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को ज्ञापन सौंपकर एनएचएम कर्मचारियों के 33 दिनों की हड़ताल अवधि का वेतन शीघ्र प्रदान करने की मांग की है। संघ ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन में वेतन भुगतान की घोषणा किए जाने के बावजूद अब तक कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिल पाया है। इससे प्रदेशभर के हजारों एनएचएम कर्मचारियों में निराशा है।

ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों ने अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर 18 अगस्त 2025 से 19 सितंबर 2025 तक लगातार 33 दिनों तक प्रदेशव्यापी आंदोलन किया था। इस दौरान प्रदेश के हजारों संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने नियमितीकरण, वेतन विसंगति दूर करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन किया था। आंदोलन के दौरान शासन एवं कर्मचारी संघ के बीच विभिन्न मांगों पर चर्चा और सहमति बनने के बाद मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री से हुई चर्चा के उपरांत आंदोलन स्थगित किया गया था। संघ ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि आंदोलन अवधि के दौरान 25 एन एचएम कर्मचारियों को सेवा से पृथक कर दिया गया था। बाद में शासन द्वारा संबंधित कार्रवाई को शून्य करते हुए सभी 25 कर्मचारियों को पुन: सेवा में बहाल किया गया। आंदोलन के दौरान कर्मचारियों का 33 दिनों का वेतन काट लिया गया था, जिसका भुगतान अब तक लंबित है। 13 जून को रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आंदोलन अवधि के 33 दिनों के वेतन का भुगतान किए जाने की सौगात देते हुए उक्त अवधि का वेतन देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद कर्मचारियों में वेतन भुगतान को लेकर उम्मीद जगी थी, लेकिन कई महीने बीत जाने के बावजूद भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संघ का कहना है कि कर्मचारियों ने आंदोलन के दौरान अपनी मांगों को लेकर संघर्ष किया था और अब मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप वेतन भुगतान किया जाना चाहिए। एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रदेश प्रवक्ता पुरन दास एवं जिलाध्यक्ष बृजलाल पटेल ने स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन सौंपकर मुख्यमंत्री की घोषणा का शीघ्र क्रियान्वयन करने तथा सभी प्रभावित एनएचएम कर्मचारियों को 33 दिनों के हड़ताल अवधि का वेतन प्रदान करने की मांग की है।

महुली रोहीना पहाड़ के समीप 150 एकड़ वन भूमि पर जारी है कब्जा का सिलसिला

0 छाल निकालकर पेड़ो को सुखाने का चल रहा षड्यंत्र
0 जिम्मेदार मौन, विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत महुली वन परिक्षेत्र में वन भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार, रोहीना पहाड़ के पास लगभग 150 एकड़ वन भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत है। वहीं, दूसरी ओर हाई स्कूल के पास मुख्य सड़क किनारे स्थित जंगल की जमीन पर भी कब्जा कर जुताई किए जाने और मकान निर्माण की तैयारी जोर शोर से चल रही है।ग्रामीणों का आरोप है कि जंगल में लगे पेड़ों के चारों ओर से छाल निकाली जा रही है, जिससे पेड़ों के सूखने का खतरा बढ़ गया है। इसके साथ ही वन भूमि पर लगातार जुताई कर जमीन को अन्य उपयोग हेतु तैयार किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वन संपदा को भारी नुकसान हो सकता है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि वन भूमि पर अतिक्रमण और पेड़ों को नुकसान पहुंचाने की शिकायत के बावजूद वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंच रही है। इससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर अतिक्रमण रोकने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। मामले में वन विभाग का पक्ष जानने के लिए बिहारपुर क्षेत्र के रेंजर मोवलाल पटेल के मोबाइल पर कई बार कॉल कर संपर्क करने का प्रयास किया गया। मगर उन्होंने मोबाइल रिसीव नहीं किया। जिससे विभाग का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। बताया गया है कि रेंजर मेवालाल पटेल चंद दिनों में सेवानिवृत्त होने वाले है। जिसके कारण क्षेत्र में ध्यान नहीं दे पा रहे है और ....में मस्त दिखाई दे रहे है। जिससे क्षेत्र में लोगो की मनमानी चरम पर है और जंगल की जमीन पर तेजी से कब्जे का खेल चल रहा है।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास)
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज मुख्यालय बलरामपुर (छ.ग.)

फोन नम्बर 07831-299063 ई-मेल :-acbalrampur@gmail.com

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/1892 निर्माण/आ.वि./2026 बलरामपुर, दिनांक 07/10/2026

आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग भवन की अनुसूचि दर जो छ.ग. शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील है "सी" श्रेणी एवं इससे उपर श्रेणी के ठेकेदारों से ई-निविदा के माध्यम से प्रतिशत दर पर द्वितीय ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसकी वैधता तिथि दिनांक 09.10.2026 से दिनांक 23.10.2026 तक रहेगी।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6
2	199881	कन्या आश्रम सबाग भवन निर्माण (बायलेंस वर्क)	1,15,97,000-00	86,980-00	08 माह

टीप :-
1. निविदा की सामान्य शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी-262703924/1

रक्तदान शिविर में स्वास्थ्य मंत्री ने बढ़ाया रक्तदाताओं का उत्साह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर का स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने रक्तदान करने वाले स्वयंसेवी रक्तदाताओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में उनकी सहभागिता की सराहना की।स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्त की एक यूनिट जरूरतमंद मरीज के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

उन्होंने कहा कि दुर्घटना, गंभीर बीमारी एवं आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर रक्त की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक होती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता और जनभागीदारी बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों, विशेषकर युवाओं से नियमित रक्तदान के लिए आगे आने तथा इस पुनीत कार्य में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

जिला अस्पताल में अटल आरोग्य लैब का स्वास्थ्य मंत्री ने किया शुभारंभ

136 प्रकार की नि:शुल्क जांचों से मरीजों को राहत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने तथा आम नागरिकों को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंगलवार को जिला चिकित्सालय में अटल आरोग्य लैब का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने लैब परिसर का भ्रमण कर उपलब्ध सुविधाओं एवं जांच व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

जिला चिकित्सालय में स्थापित अटल आरोग्य लैब जिले के मरीजों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। यहां 136 प्रकार की विभिन्न चिकित्सकीय जांचें पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तथा दूरस्थ ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों से आने वाले मरीजों को लाभ मिल रहा है। आवश्यक जांच के लिए अतिरिक्त राशि खर्च करने की जरूरत कम होने से मरीजों के समय और धन दोनों की बचत हो रही है। अटल आरोग्य लैब का संचालन मई 2026 से प्रारंभ किया गया था। लैब के माध्यम से अब तक लगभग 44,125 मरीजों की विभिन्न चिकित्सकीय जांचें की जा चुकी हैं। यहां प्रतिदिन लगभग 6 से 7 सौ मरीजों के रक्त नमूनों की जांच की जा रही है। आधुनिक मशीनों एवं जांच उपकरणों की सहायता से कम समय में जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे चिकित्सकों को मरीजों के रोगों की पहचान एवं समय पर उपचार प्रारंभ करने में सहायता मिल रही है।

अटल आरोग्य लैब के संचालन से मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों से जिला चिकित्सालय पहुंचने वाले मरीजों को नि:शुल्क जांच की सुविधा मिलने से आर्थिक बोझ कम हुआ है।

अटल आरोग्य लैब के शुभारंभ के पश्चात स्वास्थ्य मंत्री ने जिला चिकित्सालय के वार्डों में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए, अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं मरीजों को प्रदान की जा रही सेवाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। इस दौरान उन्होंने डायलिसिस यूनिट, सिटी स्कैन यूनिट का भी निरीक्षण किया और मरीजों से बातचीत करते हुए उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

3 दिवसीय हड़ताल पर तकनीकी सहायक कर्मचारी संघ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। वीबी-जी राम-जी के अंतर्गत कार्यरत तकनीकी सहायक कर्मचारियों द्वारा तीन प्रमुख मांगों को लेकर 13 से 15 अक्टूबर तक तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की जा रही है। इस हड़ताल में जिले के 45 तकनीकी सहायक तथा राज्य से लगभग 12 सौ तकनीकी सहायक शामिल है। संघ के अनुसार प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, ग्राम सचिव के समान स्थायीकरण हेतु नियमनावली लागू करना तथा पदनाम परिवर्तन कर कनिष्ठ अभियंता वीबी-जी राम-जी किए जाने की मांग शामिल है। संघ का कहना है कि तकनीकी सहायक ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विभिन्न विकास कार्यों के तकनीकी क्रियान्वयन, मूल्यांकन, गुणवत्ता नियंत्रण एवं कार्यों की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं और लंबित मांगों का निराकरण नहीं हो पाया है। इसी के मद्देनजर संघ द्वारा शासन का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित करने के लिए हड़ताल का निर्णय लिया गया है। संघ ने शासन से मांग की है कि समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए उनकी तीनों प्रमुख मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए, ताकि कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा एवं सम्मानजनक भविष्य मिल सके।

मिट्टी बांध बना किसानों का सहारा, खरीफ सीजन में मिली राहत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के जनपद पंचायत ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत चबदा में विकसित भारत - जी राम जी योजना के तहत निर्मित मिट्टी बांध ने वर्षा जल को सहेजकर किसानों को खरीफ सीजन में धान की फसल के लिए पानी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्राम चबदा के किसान श्री राम सेवक कुर्रे बताते हैं कि पहले गांव में पानी रोकने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से खेती-किसानी पूरी तरह बारिश पर निर्भर रहती थी। लेकिन गांव में मिट्टी बांध बनने के बाद इस वर्ष खरीफ सीजन में किसानों को काफी सहूलियत मिली। मानसून के दौरान बांध में एकत्रित वर्षा जल का उपयोग आसपास के किसानों ने अपने खेतों में किया। इससे धान की रोपाई के समय पानी की जरूरत पूरी करने में मदद मिली और किसानों को पहले की तुलना में आसानी हुई हे।ग्राम चबदा में निर्मित मिट्टी बांध ने इस वर्ष वर्षा जल संरक्षण की उपयोगिता को साबित किया है। बारिश के दौरान बांध में ठहरे पानी का उपयोग किसानों ने जरूरत के अनुसार कृषि कार्यों में किया। इससे विशेषकर धान की रोपाई के दौरान पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता मिली। श्री राम सेवक कुर्रे बताते हैं कि पहले बारिश में देरी होने पर किसानों को खेती के काम में पिछड़ने की चिंता रहती थी। लेकिन मिट्टी बांध बनने से इस बार धान की रोपाई के दौरान पानी की समस्या से काफी राहत मिली।

कलेक्टर ने मनोरा कॉलेज निर्माण में लेट-लतीफी पर ठेका निरस्त करने के दिए निर्देश, ई-ऑफिस से ही होगा काम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सोमवार को साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभागीय कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से ही संचालित किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकासखंड स्तर पर भी ई-ऑफिस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू कर नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए।

राशन वितरण पर फोकस

बैठक में कलेक्टर ने खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए उचित मूल्य दुकानों में चावल के भंडारण और वितरण की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी राशन कार्डधारियों को हर माह निर्धारित समय पर राशन मिलना चाहिए, इसमें कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। साथ ही सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री घोषणाओं और जनदर्शन से प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से निराकरण करने को कहा।

निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

कलेक्टर ने जिले में स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा की, जिसमें कंवर समाज भवन, पुलिया, रंगमंच, सामुदायिक भवन, सीसी रोड, दोकड़ा में मिनी स्टेडियम, दुलदुला एवं बंदरचुआं में बस स्टैंड, कुनकुरी में ऑडिटोरियम और सांस्कृतिक भवन जैसे कार्य शामिल हैं। उन्होंने सभी कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा करने को कहा।

मनोरा कॉलेज निर्माण पर जताई नाराजगी

मनोरा विकासखंड में शासकीय महाविद्यालय का निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं होने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता को संबंधित ठेकेदार एजेंसी का ठेका निरस्त करने की कार्रवाई करने और निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए।

बिना सूचना गायब एसडीओ को नोटिस

बैठक में सेतु विभाग के एसडीओ बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहे, जिसके कारण विभागीय समीक्षा नहीं हो सकी। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत CEO अभिषेक कुमार, अपर कलेक्टर, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ और जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

कुपोषित बच्चों की मदद को आगे आया संकल्प मंच

11 बच्चों को बांटी पोषण सामग्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले में कुपोषण से जूझ रहे मासूम बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए सामाजिक संगठन संकल्प, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार मार्गदर्शन मंच की जिला टीम आगे आई है। मंच ने मानवता और सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश करते हुए जिला अस्पताल स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती 11 कुपोषित बच्चों को पोषण युक्त खाद्य सामग्री का वितरण किया। बच्चों को दलिया, दूध, ब्रेड, बिस्किट और केला सहित अन्य पौष्टिक आहार दिया गया, जिसे पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और उनकी माताओं ने संतोष जताया।

परिवार की मजबूरी को समझा

पोषण पुनर्वास केंद्र में वर्तमान में 11 बच्चे अपनी माताओं के साथ भर्ती हैं, ताकि उन्हें पूरक पोषण आहार देकर जल्द स्वस्थ किया जा सके। बच्चों के साथ अस्पताल में रहने के कारण इन माताओं के घर-परिवार के काम प्रभावित हो रहे हैं। इसी मानवीय पहलू को समझते हुए संकल्प मंच की टीम सहयोग के लिए आगे आई। टीम के सदस्यों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल खाद्य सामग्री बांटना नहीं, बल्कि समाज को संदेश देना है।

"हमने इसकी शुरुआत जिला अस्पताल से की है। अगर रोजाना इन बच्चों को इसी तरह पोषण युक्त आहार मिलता रहे तो वे जल्दी स्वस्थ होकर अपने घर लौट सकेंगे और उनके परिवारों को ज्यादा दिन परेशान नहीं होना पड़ेगा। हम चाहते हैं कि समाज के अन्य लोग भी इन जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आएं।"मंच ने बताया कि यह टीम अब हर माह अलग-अलग स्थानों पर जाकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में मार्गदर्शन और सहयोग का कार्य करेगी।

इस पहल में जिला संयोजक श्रीमती सरिता नायक, जिला सचिव श्रीमती संतोषी डनसेना, उपाध्यक्ष श्रीमती मीना सिन्हा, कोषाध्यक्ष श्रीमती सिरमती चौहान, ब्लॉक संयोजक कुनकुरी से श्रीमती गीता जांगड़े, फरसाबहार से श्रीमती ममता चौहान, दुलदुला से श्रीमती रेणु प्रधान और सदस्य श्रीमती समावती सांडिया, श्रीमती पूनम भगत सहित अन्य साथी उपस्थित रहे।

कलेक्टर जनदर्शन में गूंजी आमजन की समस्याएं, 45 आवेदनों पर त्वरित निराकरण के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज कलेक्टोरेट में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले भर से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जनदर्शन में कुल 45 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों तरह की समस्याएं शामिल थीं। मुख्य रूप से राजस्व संबंधी प्रकरण (नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा), पेयजल, सड़क और स्वच्छता की मांग,

सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन, आवास जैसी योजनाओं का लाभ, अधोसंरचना विकास और आजीविका संवर्धन से जुड़े मामले। कलेक्टर ने एक-एक आवेदन को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनदर्शन शासन और जनता के बीच सीधा संवाद का सबसे प्रभावी माध्यम है। इसलिए हर आवेदन पर संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ काम होना चाहिए। सभी आवेदनों का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि जनसुविधाओं से जुड़े पेयजल, सड़क, स्वच्छता और शासकीय योजनाओं के लाभ वाले प्रकरणों पर सबसे पहले कार्रवाई हो। साथ ही आवेदनों पर की गई कार्रवाई की जानकारी संबंधित आवेदक को भी समय पर दी जाए, ताकि उसे अपने प्रकरण की स्थिति पता चल सके।

खर्रा नाला पर 6.26 करोड़ से बन रहा हाई लेवल ब्रिज, सीएम साय की घोषणा पर शुरू हुआ काम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बगीचा। बरसात में हर साल आफत बनने वाला खर्रा नाला अब ग्रामीणों के लिए मुसीबत नहीं बनेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा पर अमल करते हुए बगीचा विकासखंड के घूघरी-ढोढरअम्बा मार्ग पर खर्रा नाला पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण तेजी से चल रहा है। इसके लिए 6 करोड़ 26 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

बगीचा क्षेत्र के ग्रामीण लंबे समय से इस पुल की मांग कर रहे थे। बरसात में नाले में उफान आते ही घूघरी, ढोढरअम्बा और आसपास के दर्जनों गांवों का संपर्क तहसील मुख्यालय बगीचा से कट जाता था। स्कूली बच्चों, मरीजों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले लोगों को कई किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता था। ग्रामीणों ने अपनी यह समस्या मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सामने रखी थी, जिस पर उन्होंने तत्काल पुल निर्माण की घोषणा की थी। घोषणा के बाद तेजी से स्वीकृति मिली और अब निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

क्या होगा फायदा?

बरसात में भी आवागमन निर्बाध रहेगा, संपर्क नहीं टूटेगा। ग्रामीणों को तहसील मुख्यालय तक पहुंचने के लिए कम दूरी तय करनी होगी। कृषि उपज को बाजार तक ले जाना आसान होगा। क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और विकास को नई गति मिलेगी। पुल के बनने से यह मार्ग बगीचा क्षेत्र के लिए लाइफलाइन साबित होगा। दैनिक आवागमन, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य जरूरी सेवाओं तक पहुंच अब आसान हो जाएगी।

पुल निर्माण की स्वीकृति और काम शुरू होने पर क्षेत्र के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पुल उनके वर्षों के संघर्ष और इंतजार को खत्म करेगा।

अमृत मिशन 2.0 से बदलेगी जल आपूर्ति की तस्वीर, 130.26 करोड़ से होंगे काम - कलेक्टर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अमृत मिशन 2.0 के तहत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाकर गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अमृत मिशन 2.0 के तहत जशपुर और कुनकुरी नगरीय क्षेत्रों में जल आपूर्ति व्यवस्था के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए कुल 130.26 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

कुनकुरी में 43.27 करोड़ से बढ़ेगी क्षमता

वहीं नगर पंचायत कुनकुरी में जल आपूर्ति क्षमता बढ़ाने के लिए 43.27 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं।

50 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जाएगी, 940 किलोलीटर क्षमता के ओवरहेड टैंक बनेंगे, फिल्टर प्लांट की स्थापना होगी। कलेक्टर ने दोनों नगरीय निकायों को आपसी समन्वय से काम करने और आम लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ काम करने को कहा। बैठक में नगर पालिका जशपुर के सीएम योगेश्वर उपाध्याय सहित जशपुर और कुनकुरी के अधिकारी उपस्थित थे।

जशपुर नगरपालिका में 86.99 करोड़ के कार्य

नगरपालिका जशपुर के अधिकारियों ने बताया कि जशपुर शहर में जल आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए 86.99 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत है। इसके तहत 5 नए ओवरहेड टैंक का निर्माण, एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना, 102 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन का विस्तार जैसे कार्य किए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि कार्यादेश जारी हो चुका है और सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है, जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा।

बांस के एंटीना से शुरू हुआ सपना अब बनेगा जशपुर की आवाज, जशपुरांचल एफएम 88.4 को मिला लाइसेंस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कुनकुरी। बांस के एंटीना से एफएम रेडियो शुरू करने का एक युवा का सपना अब हकीकत बनने जा रहा है। जशपुरांचल सोसायटी फॉर रूरल एजुकेशन एंड कंप्यूटर टेक्नोलॉजी की पहल पर प्रस्तावित 'जशपुरांचल एफएम 88.4 मेगाहर्ट्ज' को भारत सरकार के दूरसंचार विभाग ने वायरलेस ऑपरेटिंग लाइसेंस देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही जिले में पहले सामुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है।

10 साल की तपस्या

इस पहल के पीछे संस्था के अध्यक्ष राजेन्द्र गुप्ता और संदीप कुमार गुप्ता की लंबी मेहनत है। संदीप ने करीब दस साल पहले सीमित संसाधनों के बीच बांस के एंटीना से एफएम शुरू करने का प्रयोग किया था, जो अब एक

व्यवस्थित सामुदायिक रेडियो स्टेशन के रूप में आकार ले रहा है। विभाग द्वारा 31 अगस्त 2026 को जारी निर्णय पत्र में 88.400000 मेगाहर्ट्ज आवृत्ति आवंटित की गई है। आवेदन संख्या एनडब्लू034320260607964 के तहत यह स्वीकृति मिली है।

क्या होगा इस रेडियो पर?

यह सिर्फ एक रेडियो स्टेशन नहीं, बल्कि जशपुर की लोकसंस्कृति और जनहित की आवाज बनेगा। प्रस्तावित स्टेशन पर जशपुर की लोककला, जनजातीय परंपरा, लोकगीत, कुड़ुख-सादरी जैसी बोलियों को मंच मिलेगा, स्थानीय कलाकारों, किसानों, युवाओं और महिला उद्यमियों की कहानियां गूंजेंगी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में दी जाएगी। आपदा प्रबंधन और कृषि सलाह जैसी उपयोगी सूचनाएं तत्काल पहुंचाई जा सकेंगी।

जशपुर की पहचान को मिलेगी नई उड़ान

कुनकुरी से शुरू होने वाला यह स्टेशन ग्रामीणों को अपनी बात रखने का सीधा मंच देगा। इससे क्षेत्रीय संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ जनजागरूकता को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि नियमित प्रसारण की तिथि अभी घोषित नहीं हुई है, लेकिन सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जल्द ही 88.4 मेगाहर्ट्ज पर जशपुर अपनी आवाज में बोलेगा।

कुत्ते के भौंकने से भड़के हाथी ने 17 साल के किशोर को सूंड से पटककर कुचला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले में मानव-हाथी द्वंद्व ने एक और मासूम की जान ले ली। तुमला थाना क्षेत्र के सागजोर गांव में हाथी के हमले से 17 वर्षीय किशोर विनय केरकेट्टा की दर्दनाक मौत हो गई। घटना बीती रात की बताई जा रही है। वन विभाग ने अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन परिजनों और ग्रामीणों ने घटना की जानकारी दी है।

परिजनों के मुताबिक गांव के खेत में हाथी घुस आया था और फसल खा रहा था। विनय ग्रामीणों के साथ उसे खदेड़ने गया। ग्रामीणों ने शोर मचाकर हाथी को जंगल की ओर भगा दिया और लौट आए, लेकिन विनय खेत के पास ही रुक गया। बाद में वह अपने पालतू कुत्ते के साथ जंगल की ओर गया। वहां हाथी को देखकर कुत्ता जोर-जोर से भौंकने लगा। इससे हाथी आक्रामक हो गया और कुत्ते को दौड़ाने लगा। इसी दौरान विनय सामने आ गया। आरोप है कि हाथी ने उसे सूंड से लपेटकर जमीन पर पटका और पैरों से कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

जशपुर में हाथियों का आतंक

जशपुर छत्तीसगढ़ के सबसे अधिक हाथी प्रभावित जिलों में से एक है। जिले के 8 में से 5 विकासखंड हाथियों की आवाजाही से प्रभावित हैं। ओडिशा और झारखंड सीमा से लगे तपकरा वन परिक्षेत्र में सालभर हाथियों की मौजूदगी रहती है। वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 7 साल में जिले में हाथियों के हमले से 86 लोगों की मौत हो चुकी है और 26 लोग घायल हुए हैं। साल 2026 में 30 सितंबर तक 2 जनहानि के मामले दर्ज थे, अब यह तीसरा मामला हो सकता है।

जनहानि रोकने के लिए वन विभाग जागरूकता अभियान, स्कूलों-गांवों में चौपाल, ड्रोन से निगरानी और रेडियो कॉलर आईडी जैसी तकनीक का उपयोग कर रहा है। सोशल मीडिया के जरिए भी हाथियों की लोकेशन की जानकारी साझा कर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है, बावजूद इसके ऐसी घटनाएं थम नहीं रही हैं।

सीएम कैंप कार्यालय बगिया की त्वरित पहल से लकवा पीड़ितों को मिला सहारा

गुलो बाई और शिवचरण मिंज को प्रदान की गई व्हीलचेयर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

- **व्हीलचेयर मिलने से चलने-फिरने में असमर्थ दोनों बुजुर्गों को मिली राहत, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति जताया आभार**
- **बगिया कैंप कार्यालय बना जरूरतमंदों की उम्मीद का केंद्र, रोजाना समस्याएं लेकर पहुंच रहे ग्रामीण**

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार सीएम कैंप कार्यालय बगिया में जरूरतमंदों की समस्याओं के त्वरित निराकरण की पहल जारी है। इसी कड़ी में मंगलवार को लकवा पीड़ित दो जरूरतमंदों को तत्काल व्हीलचेयर उपलब्ध कराकर उन्हें राहत पहुंचाई गई।मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम बतनीडांड निवासी गुलो बाई, पति रुइया राम, उम्र 50 वर्ष तथा ग्राम तामासिंघा निवासी शिवचरण मिंज, पिता गिरवेल मिंज, उम्र 86 वर्ष मंगलवार को सीएम कैंप कार्यालय बगिया पहुंचे थे। दोनों ने लकवाग्रस्त होने के कारण चलने-फिरने में असमर्थता जताते हुए मुख्यमंत्री

विष्णुदेव साय से व्हीलचेयर उपलब्ध कराने की मांग की थी।समस्या को गंभीरता लेते हुए सीएम कैंप कार्यालय बगिया ने त्वरित पहल करते हुए दोनों जरूरतमंदों को व्हीलचेयर प्रदान की। व्हीलचेयर मिलने से उन्हें आवागमन में सहूलियत मिलने की उम्मीद है। तत्काल सहायता मिलने पर गुलो बाई एवं शिवचरण मिंज ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

जरुरतमंदों के लिए आशा का केंद्र बना बगिया कैंप कार्यालय

सीएम कैंप कार्यालय बगिया में प्रतिदिन ग्रामीण अपनी विभिन्न समस्याओं और जरूरतों को लेकर पहुंचते हैं। यहां प्राप्त आवेदनों पर पहल करते हुए जरूरतमंदों को सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों से लेकर दिव्यांग एवं असहाय लोगों की आवश्यकताओं तक, कैंप कार्यालय के माध्यम से लोगों को राहत पहुंचाने की पहल की जा रही है।व्हीलचेयर उपलब्ध कराने की यह पहल जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिलने का उदाहरण है। इससे उन लोगों को राहत मिली है, जिन्हें शारीरिक असमर्थता के कारण रोजमर्रा के कार्यों और आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह